दैनिक
प्रातः कालीन
मुरादाबाद से प्रकाशित

क्यूँ न लिखूँ सच

वर्षः- 04
अंकः-62
मुरादाबाद
22 June 2024
(Saturday)
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

योग ने खोले रोजगार के रास्ते, ये ज्ञान ही नहीं, विज्ञान भी

कश्मीर में PM मोदी: पारंपरिक पहनावे संग फिर दिखा

प्रधानमंत्री का स्नेह, श्रीनगर में असमिया 'गमोसा' संग आए नजर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को 10वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर श्रीनगर के शेर-ए कश्मीर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में योगाभ्यास किया। इसके बाद प्रधानमंत्री योग से जुड़े लोगों से मिले। उनके साथ सेल्फी खिंचवाकर लोगों का उत्साह बढ़ाया। प्रधानमंत्री को अपने बीच पाकर लोग उत्साह में नजर आए, लोगों ने ताली बजाकर उनका अभिवादन किया। पीएम मोदी ने कहा कि दुनिया योग की

शक्ति को मानती है। विश्व योग को वैश्विक भलाई के लिए एक शक्तिशाली एजेंट के रूप में देखता है। यह लोगों को अतीत के बोझ को ढोए बिना वर्तमान में जीने में मदद करता है। श्रीनगर में योग दिवस के मुख्य समारोह स्थल पर प्रधानमंत्री मोदी सफेद कपड़ों के संग असमिया गमछा पहने नजर आए।

इसे असमिया 'गमोसा' भी कहा जाता है।प्रधानमंत्री मोदी शुक्रवार सुबह योग दिवस के मुख्य समारोह स्थल पर सफेद कपड़ों के संग असमिया गमछा पहने नजर आए। इसे असमिया 'गमोसा' भी कहा जाता है। पारंपरिक पहनावे संग प्रधानमंत्री का स्नेह एक बार फिर नजर आया है। इसी बहाने वह स्थानीय उत्पादों और पहनावों को भी लोगों के बीच लेकर जाते हैं। वहीं, केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने इसके लिए प्रधानमंत्री मोदी का आभार व्यक्त किया है।केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने कहा, %इस प्यारे गमोसा के साथ कृष्णगुरु सेवाश्रम के भक्तों की आध्यात्मिक भक्ति और एकजुटता जुड़ी हुई है। असम के लोगों और कृष्णगुरु सेवाश्रम के भक्तों की ओर से, मैं एक बार फिर गमोसा के प्रति अपना प्यार और स्नेह दिखाने के लिए प्रधानमंत्री मोदी के प्रति अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त करता हूं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक नाम ही नहीं बल्कि एक ब्रांड के तौर पर खुद को स्थापित कर चुके हैं।

यही वजह है कि अब उनसे जुड़ी हर चीज पर दुनिया की निगाहें टिक जाती हैं। देश-दुनिया में उस पर फिर खूब चर्चा भी होती है। इसी तरह 10वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर जम्मू कश्मीर के श्रीनगर में पहुंचना भी अपने आप में एक खास संदेश है। पीएम मोदी इससे पहले भी कई बार असमिया गमछा के साथ नजर आ चुके हैं। वह देश के स्वदेशी उत्पादों का प्रमुखता के साथ प्रचार करते हैं। साथ ही लोगों को भी इन्हें खरीदने के लिए प्रेरित करते हैं। एक कार्यक्रम के दौरान पीएम ने बताया था कि उन्होंने महिला स्वयं-सहायता समूहों द्वारा बनाई गई पारंपरिक असमिया गमछा खरीदा था। नरेंद्र मोदी अक्सर अपनी गर्दन पर गमछा लपेटे नजर आते हैं। प्रधानमंत्री ने उस दौरान कहा था, %आपने मुझे बहुत बार गमछा डाले हुए देखा है। यह बेहद आरामदायक है। मैंने काकातीपापुंग विकास खंड के विभिन्न स्वयं सहायता समूहों द्वारा बनाया गया एक गमछा खरीदा है।%प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को श्रीनगर में योग दिवस पर आयोजित मुख्य समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि योग से रोजगार के नए अवसर बन रहे हैं। लोग अब फिटनेस के लिए निजी योग प्रशिक्षकों को नियुक्त कर रहे हैं और कंपनियां अपने कर्मचारियों के लिए मन और शरीर (फिटनेस) कार्यक्रमों में योग को शामिल कर रही हैं। इसने आजीविका के नए रास्ते खोले हैं। योग केवल ज्ञान ही नहीं, विज्ञान भी- प्रधानमंत्री ने कहा कि योग आज लोगों के सामने आने वाली कई समस्याओं का समाधान प्रदान करता है। योग केवल ज्ञान ही नहीं बल्कि विज्ञान भी है। सूचना क्रांति के इस युग में सूचना स्त्रोतों की बाढ़ आ गई है और मानव मन के लिए एक विषय पर ध्यान केंद्रित करना एक चुनौती है। इसका समाधान भी योग में है क्योंकि यह मन को केंद्रित करने में मदद करता है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि दुनिया योग की शक्ति को मानती है। विश्व योग को वैश्विक भलाई के लिए एक शक्तिशाली एजेंट के रूप में देखता है। यह लोगों को अतीत के बोझ को ढोए बिना वर्तमान में जीने में मदद करता हैपीएम मोदी ने कश्मीर की धरती से दुनिया भर के लोगों को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की बधाई दी। उन्होंने कहा कि दस साल पहले, मैंने संयुक्त राष्ट्र में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने का प्रस्ताव रखा था। भारत के प्रस्ताव को 177 देशों ने समर्थन दिया, जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है

संक्षिप्त समाचार

नीट व यूजीसी नेट की परीक्षा में हुई धांधली को लेकर कांग्रेस का जबरदस्त प्रदर्शन, हिरासत में लिए गए अजय राय

नीट व यूजीसी नेट की परीक्षाओं में धांधली को लेकर यूपी में कांग्रेस ने जबरदस्त प्रदर्शन किया और पीएम मोदी व शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग की। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को हिरासत में ले लिया गया है।नीट परीक्षा में हुई धांधली और यूजीसी नेट की परीक्षा रद्द करने के लिए जिम्मेदार प्रधानमंत्री व शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदेश कांग्रेस ने शुक्रवार को सड़क पर उतरकर प्रदर्शन किया।प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के नेतृत्व में कार्यकर्ता प्रदेश मुख्यालय से विधान सभा घेराव के लिए निकले। हालांकि थोड़ा ही आगे चलने पर बैरिकेडिंग कर पुलिस ने सभी को रोक लिया। यहां कार्यकर्ताओं की पुलिस से तीखी नोकझोंक हुई। इसी बीच अजय राय समेत पार्टी नेता बैरिकेडिंग लांघकर आगे बढ़ने लगे। पुलिस ने बलपूर्वक उनको रोका और यहां भी काफी धक्का मुक्की हुई।इसके बाद पुलिस जबरदस्ती प्रदेश अध्यक्ष समेत अन्य पार्टी नेताओं व कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेकर ईको गार्डेन ले गई। इस दौरान कार्यकर्ता छात्रों के हित में परीक्षा रद्द करने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे थे।

केंद्रीय एजेंसियों द्वारा गिरफ्तार किए विपक्षी नेताओं के खिलाफ कोई सबूत नहीं, राउत का बड़ा दावा

संजय राउत ने कहा कि दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की गलती यह है कि उन्होंने 2015 और 2020 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को हराया था। इसलिए उन्हें झूठे मामलों में फंसाया गया हैशिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने शुक्रवार को दावा किया कि महाराष्ट्र, दिल्ली और झारखंड में केंद्रीय एजेंसियों द्वारा गिरफ्तार किए गए विपक्षी नेताओं के खिलाफ कोई सबूत नहीं है। उन्होंने यह टिप्पणी अदालत द्वारा दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जमानत दिए जाने के एक दिन बाद की। मीडिया से बात करते हुए संजय राउत ने अपनी गिरफ्तारी के साथ केजरीवाल, झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन, महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री अनिल देशमुख और नवाब मलिक जैसे अन्य विपक्षी नेताओं की गिरफ्तारी की तरफ इशारा किया। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने कहा, ‌卐महाराष्ट्र, दिल्ली और झारखंड में केंद्रीय एजेंसियों ने जिन मंत्रियों को गिरफ्तार किया था, उनके खिलाफ कोई सबूत नहीं है।

पुलिस भर्ती पेपर लीक: अखिलेश की मांग, गुजराती कंपनी और उसके मालिक के खिलाफ FIR सार्वजनिक करे सरकार

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पुलिस भर्ती पेपर लीक में गुजराती कंपनी को लेकर सामने आए कनेक्शन पर भाजपा सरकार पर निशाना साधा है और मामले में कार्रवाई की मांग की है।सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पुलिस भर्ती पेपर लीक में गुजराती कंपनी को लेकर सामने आए कनेक्शन पर भाजपा सरकार पर निशाना साधा है और मामले में कार्रवाई की मांग की है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा पर तंज कसते हुए पुलिस भर्ती परीक्षा का पेपर लीक और गुजरात की कंपनी से इसके कनेक्शन को लेकर सवाल उठाए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया साइट एक्स पर भाजपा पर तंज कसते हुए कहा कि 'भाजपाइयों' की है यही पहचान, झूठों को काम, झूठों को सलाम। आगे उन्होंने कहा कि ये आरोप बेहद गंभीर हैं कि पुलिस भर्ती परीक्षा का पेपर आयोजित करवाने वाली गुजरात की कंपनी का ही, पेपर लीक करवाने में हाथ है और उसका मालिक जब सफलतापूर्वक विदेश भाग गया, उसके बाद ही उत्तर प्रदेश सरकार ने उसके बारे में जनता को बताया और जनता के गुस्से से बचने के लिए दिखाने भर के लिए उस कंपनी को ब्लैकलिस्ट कर दिया।यूपी सरकार उस कंपनी और उसके मालिक के खिलाफ एफआईआर की कॉपी सार्वजनिक करे। गुजरात भेजकर उसकी संपत्ति से खामियाजा वसूलने की हिम्मत दिखाए। ऐसे आपराधिक लोग यूपी के 60 लाख युवाओं के भविष्य को बर्बाद करने के दोषी हैं। यूपी की भाजपा सरकार साबित करे कि वो इन अपराधियों के साथ है या प्रदेश की जनता के साथ। यूपी में काम करनेवाली हर कंपनी के इतिहास और उसकी सत्यनिष्ठा-गुणवत्ता की जांच की जाए। आरोप लगाते हुए कहा कि जब बेईमान और कलंकित कंपनियों को काम दिया जाए तो जनता को समझ लेना चाहिए कि इसमें काम देने वाले यूपी सरकार के उस मंत्रालय और उसके विभाग के लोगों की भी हिस्सेदारी है मतलब 'ये भ्रष्टाचार की साझेदारी' है। इस परीक्षा के आयोजन से संबंधित कंपनी ही नहीं बल्कि हर एक संलिप्त मंत्री या अधिकारी की भी जांच हो और जब तक जांच पूरी न हो जाए, तब तक उसे उसके काम से मुक्त रखा जाए और संलिप्तता सिद्ध होने पर बर्खास्त करके कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाए। हम मांग करते हैं कि यूपी में काम कर रही या काम करने की इच्छुक हर बाहरी कंपनी की गहन जांच हो और सब कुछ सही पाये जाने पर ही काम दिया जाए। ऐसा नहीं करने पर जब काम गलत होता है तो उससे यूपी की छवि को ठेस पहुंचती है और प्रदेश के पैसों की बर्बादी भी होती है। इन सबका खामियाजा आखिर में आम जनता को ही भुगतना पड़ता है। साथ ही ये भी मांग है कि उप्र की कंपनियों को प्राथमिकता दी जाए और केवल तभी बाहरी कंपनियों को काम दिया जाए जब यूपी के सरकारी विभागों, निगमों, बोर्डों या स्थानीय कंपनियों के पास कार्य को समय की सीमा में गुणवत्तापूर्वक संपन्न कराने या उतने बड़े काम नहीं करने के अनुभव का अभाव हो। यूपी के आक्रोशित युवा पूछ रहे हैं कि यूपी के बुलडोजर के पास बाहर के राज्यों में जाने का लाइसेंस और साहस है क्या? और ये भी कि जिस मंत्रालय के तहत पुलिस भर्ती परीक्षा हुई थी उसके मंत्री और अधिकारियों की तरफ बुलडोजर मुड़ता भी है या नहीं। यूपी की जनता ये भी याद रखे कि ये वो ही भाजपा सरकार है, जो कल तक ठेके पर पुलिस रखने का फरमान निकाल रही थी. घोर निंदनीय! विभिन्न परीक्षाओं का पेपर लीक होना, सरकार की सत्यनिष्ठा पर सवालिया निशान है।

सीएम योगी बोले- योग सभी के लिए है, इसमें कोई भेदभाव नहीं... इसे नियमित अभ्यास का हिस्सा बनाएं

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा योग दिवस हमारे देश की परंपरा, विरासत और संस्कृति के प्रति कृतज्ञता दिखाने का एक अवसर है कि हमें जो भी अपने पूर्वजों से मिला है। उसे संपूर्ण मानवता के साथ जोड़ें।10वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को राजभवन प्रांगण, लखनऊ में आयोजित सामूहिक योगाभ्यास समारोह में सम्मिलित हुए और योगाभ्यास किया। उनके साथ राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने भी योगाभ्यास में हिस्सा लिया। इस अवसर पर सीएम योगी ने कहा कि योग मानवता के अनुकूल मानवता के कल्याण के मार्ग को प्रशस्त करता है। इस पूर्वजों और विरासत के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धा कही के प्रति, इसी श्रद्धा को व्यक्त करने का एक माध्यम नरेंद्र मोदी के योगाभ्यास कार्यक्रम के दौरान उनकी और फिर राजभवन गीत का भी प्रस्तुतिकरण किया का पौधा देकर उनका अभिनंदन किया। इस अवसर उत्साह से सामूहिक योगाभ्यास में किया।कार्यक्रम के के अवसर पर हम अपनी विरासत का स्मरण करते हुए यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने प्रदान किया है,

है, जो देश, समाज, काल परिस्थितियों से बाधित होकर के भी संपूर्ण कार्य के साथ यदि हम जुड़ते हैं और संपूर्ण मानवता को जोड़ते हैं तो यह जाती है।अंतरराष्ट्रीय योग दिवस, हम सभी के लिए भारत की इसी परंपरा बना है। कार्यक्रम के दौरान सीएम योगी ने श्रीनगर में आयोजित प्रधानमंत्री बातों को भी सुना। इससे पूर्व कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रगान के साथ हुई गया। मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने राज्यपाल और मुख्यमंत्री को तुलसी पर प्रांगण में बड़ी संख्या में उपस्थित योग साधकों व प्रशिक्षकगणों ने पूरे दौरान सीएम योगी ने कहा कि यह हम सबका सौभाग्य है कि योग दिवस भारत की ऋषि परंपरा के प्रति श्रद्धा व्यक्त कर रहे हैं। ये अवसर हमें देश के जिनके विजन और प्रयासों का परिणाम है कि आज दुनिया के लगभग पौने दो सौ देश अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के साथ जुड़कर भारत की इस विरासत के साथ खुद को जोड़कर के हमारी संस्कृति और परंपरा को गौरवान्वित करने का प्रयास करेंगे। अपनी परंपरा और पूर्वजों व विरासत के प्रति इससे बड़ा सम्मान और कोई नहीं हो सकता। काया स्वस्थ है तो मन स्वयं ही स्वस्थ हो जाएगा- सीएम योगी ने कहा कि हम सभी जानते हैं कि योग एक संपूर्ण विधा है जो हमें शारीरिक और मानसिक रूप से एकजुट करता है। भारत की ऋषि परंपरा को देखें तो उन लोगों के पास कितनी दूरदर्शिता थी, किस तरह उन्होंने समाज को जोड़ा, धर्म को योग के साथ जोड़ने का एक अभिनव प्रयास इस रूप में हुआ। जब हम धर्म की बात करते हैं तो धर्म के दो हित सामने दिखते हैं। एक है इस लोक में विकास के लिए, खुशी और खुशहाली के लिए, ईज ऑफ लिविंग के लिए कार्य करना। और दूसरा है कि जन्म के बाद मोक्ष की प्राप्ति हो। यानी धर्म के दो हित भारत की ऋषि परंपरा ने हम सबको बताए हैं। योग भी हम सबको उसी परंपरा के साथ जोड़ने का काम करता है। भारतीय मनीषा भी इसी बात को कहती है कि शरीर माध्यम खलु धर्म साधनम्, अर्थात सभी कार्य तभी पूर्ण हो सकते हैं जब आपका शरीर साथ हो। काया स्वस्थ है तो मन स्वयं ही स्वस्थ हो जाएगा। योग में हर किसी के लिए अलग-अलग योग विद्याएं हैं। बालक हों, युवा हों, अधेड़ हों या फिर बुजुर्ग हों, सभी योग का अभ्यास करके खुद को शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रख सकते हैं। योग को बनाएं दिनचर्या का हिस्सा - सीएम योगी ने योग दिवस की थीम पर कहा कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस जिस थीम %योग सबके लिए% के साथ पूरी दुनिया में आयोजित हो रहा है, इसका अर्थ है कि इसमें कोई भेद नहीं है। इसमें जाति का भेद नहीं है, क्षेत्र का, भाषा का, काल का, देश का भेद नहीं है। मेरी अपील है कि योग को नियमित अभ्यास का हिस्सा बनाएं।

संपादकीय Editorial

Lessons from train accidents

In the recent train accident in West Bengal, 10 people lost their lives. The Kanchenjunga Express was on its way to Sealdah, but a goods train hit it from behind and a lot of things were destroyed. The two rear coaches were reduced to rubble. Some coaches derailed and overturned. The number of injured was also said to be 50-60. We pray for their recovery and return to their homes. Any accident is destructive. Last year, such a terrible accident took place in Balasore, Odisha, that Prime Minister Modi visited the accident site. It is the duty of the Railway Minister. In comparison to that, the number of deaths this time is very less. This tragedy has come to light after the Balasore accident. The initial reports of the accident are calling it a 'human error'. It is possible that this is the case, but only after a proper investigation by the Railway Safety Commissioner can any conclusion be reached as to what was the basic cause of the accident? The fact that the loco pilot of the goods train did not sleep for four consecutive nights should also be considered in the investigation. This is also an inhuman job. The rules allow a maximum of two nights of continuous duty. This is also an inhuman rule. There should be a provision for alternative loco pilots. How will this happen, because about three lakh posts are lying vacant in the railways for the last 10 years. 21 percent of them are loco pilot posts. When will they be filled? These are approved and authorized posts, then what is the problem of the government in filling these posts? The Railway Board itself believes that the continuous work of loco pilots for many hours and days is also the basic reason for big accidents. 'Kavach' is an automatic rail safety system, which has been developed indigenously. The question is why even a single route kilometer of 'Kavach' system could not be installed after the Balasore rail accident? Will the Railway Minister answer this or will some truth come out after the investigation! Till now 'Kavach' has been installed only on 1465 route km and 139 rail engines. This is the situation of February, 2024 and this arrangement has been made only in South Central Railway. It is said that tenders have been given for 'Kavach' system on several thousand route km. By when will they install this security system, so that no precious life has to be lost? 'Kavach' itself is not a 100 percent guaranteed system of security. There are technical problems like signal and interlocking, due to which railway collisions happen and tragic accidents come to the fore. The loco staff of the Northeast region has not been given adequate training till date on how loco pilots should run the train in case of signal failure. It is worth noting the statement of SS Thakur, Vice President of All India Running Loco Staff Association, that in case of signal failure, through the alternative form TA-912, trains are run, there is also a rule related to it that the second train is not moved forward from the previous station until the train ahead has crossed the next station. This time this rule was not followed, so the accident happened by mistake. However, after the Balasore accident, some efforts were made to reduce these discrepancies. The question should also be asked that in view of making the vastness of Indian Railways relatively safe, can the 'Kavach' system not be installed a little quickly? The question is also whether the political and policy focus is more on the attractive modernization of trains like 'Vande Bharat', so priorities like 'Kavach' are left behind? Can such compromises be made with the safety of railways? It is also a reasonable question that why was the funding of the National Rail Safety Fund reduced by 75 percent? Why are railway officials spending the money of the safety fund? When rail accidents happen, such questions are also raised. Railway Minister Ashwini Vaishnav should answer.

Trend: Politics cannot be as decent as before, in such a case Odisha's example is worth mentioning

Examples of natural harmony and decency between political parties and their leaders have become rare. Political violence and counter-violence have gradually been accepted as normal. In such a case Odisha's example is like a cool breeze in the heat of the sun. In the hustle and bustle of the Lok Sabha-Assembly elections, an important event was overlooked knowingly or unknowingly. There has been a change of power in Odisha after 24 years. There BJP has succeeded in forming the government on its own strength by defeating Biju Janata Dal (BJD) for the first time. When the swearing-in ceremony took place on June 12, not only did the former Chief Minister of the state and the head of the main opposition party BJD Naveen Patnaik attend, but the BJP leadership also gave him a place on the stage. During this time, Prime Minister Narendra Modi, Uttar Pradesh Chief Minister Yogi Adityanath and top BJP leaders met Patnaik comfortably. Not only this, there was no news of political violence in Odisha after the elections. All this is also important because in Odisha's neighbouring West Bengal, BJP supporters and those who voted in favour of the BJP are facing the wrath of the ruling Trinamool Congress. Taking cognizance of this, the Calcutta High Court has also made a strong comment on the Mamata government. After all, where did the distortion of considering political-ideological opponents as enemies instead of rivals come from in Indian politics? Even before independence, there were differences of opinion among various politicians. But they respected each other. There was dialogue under the same flag. Some readers will be surprised to know that at one time the Congress, Hindu Mahasabha and Muslim League had also worked together. 'Bharat Ratna' Pandit Madan Mohan Malaviya, who was the President of the Congress three times, not only founded the All India Hindu Mahasabha in the year 1915, but also presided over five special sessions of the Hindu Mahasabha while being active in the Congress. Similarly, Gandhiji used to address Veer Savarkar as 'brother', and he was impressed by the discipline of the Sangh. After differences in conduct and ideology, Netaji Subhash Chandra Bose praised Gandhiji and called him the 'Father of the Nation' for the first time on 6 July 1944. Dr. Shyamaprasad Mukherjee, the co-founder of Bharatiya Jana Sangh (now BJP) and Dr. Bhimrao Ramji Ambedkar, the architect of the Constitution, were both anti-Congress. Before independence, Dr. Shyamaprasad was the leader of Hindu Mahasabha, while Dr. Ambedkar was the leader of Scheduled Caste Federation. But on Gandhiji's advice, along with these two non-Congress leaders, Baldev Singh of Panthic Party and R. K. Shanmukham Chetty of Justice Party were also included in the first cabinet of independent India. Perhaps this was the first coalition government of independent India. Even in the initial years after independence, political decency and purity were comparatively the same. This is evident in the 'prediction' of Atalji becoming the Prime Minister by Pt. Nehru, the flag bearer of resistance ideologies, and the emotional tribute expressed by Vajpayee on Nehru's demise. After seeing the selfless service of the Sangh in the Indo-China war of 1962 and after the clouds of prejudice cleared, Pandit Nehru invited the RSS to the Republic Day parade in 1963, during the war with Pakistan in 1965, the then Sarsanghchalak of the Sangh Madhav Sadashiv Golwalkar (Guruji) reached the strategic meeting on the invitation of the then Prime Minister Lal Bahadur Shastri, in May 1970 and May 1980, the then Prime Minister Indira Gandhi issued postage stamps in honor of Veer Savarkar and praised his contribution to the freedom struggle, Indira Gandhi expressed grief over the death of Guruji in 1973 and described him as a scholar and influential person who made a significant contribution to the national life, and gave Gandhiji a place in the morning remembrance in the branches of the Sangh, etc. This environment is also reflected in the Indian Sanatan culture, which has had a tradition of accepting dialogue and disagreement for thousands of years. Millions of Hindus consider Gautam Buddha to be an incarnation of Lord Vishnu like Shri Ram and Shri Krishna. In this background, the reality of other religious streams is well known. In India, the trend of considering political-ideological opponents as enemies started with the system of Leftism. Violence and intolerance towards those who disagree are at the core of it. West Bengal and Kerala, which have been under the grip of Leftism for decades, are most tainted in the matter of 'political bloodshed', 'intolerance towards other thoughts' and 'murders of opponents'. The political unit of Leftism emerged in undivided India on 26 December 1925. Even though this intolerant philosophy later acted as a spy for the British in the Quit India Movement, used abusive language against Gandhiji and Netaji, played the role of a midwife in the birth of Pakistan, rejected Indian independence, called India a group of 17 countries, gave full support to the Jihadi Razakars of Hyderabad against the Indian Army in 1948, supported China in the 1962 war, despite this the country's mainstream political purity remained unaffected by leftism. But when the then Prime Minister Indira Gandhi took the support of the leftists to save her minority government in 1969-71, it became a part of the national mainstream. This even changed the political character of the Congress. The imposition of emergency on the country by the Congress and putting thousands of opponents in jail was the initial symptom of this confusion. This nature was reflected in the year 2004 when Mani Shankar Aiyar, as a minister, released Savarkar's body from the Andaman-Nicobar jail.From removing the ideas of secularism to the self-proclaimed secularists often abusing and openly showing hatred in the name of BJP-RSS-Modi, this trend has continued till now. Examples of natural harmony and decency between parties and leaders have become rare. Against this background, what happened during the swearing-in ceremony in Odisha is like a cool breeze in the heat of the sun. This incident undoubtedly reflects the robust health of Indian democracy.

Why did Pakistani cricketer Haris Rauf remember India in anger?

A video of Pakistan's fast bowler Haris Rauf is becoming increasingly viral on the Internet, in which he is quarreling with a fan. A discussion has started in the cricket world about this, so let's know about it in detail. Why are Pakistani cricketers getting angry? The irritation of being out of the T20 World Cup going on in America is clearly visible on Pakistani cricketers. Recently, Pakistani cricket team captain Babar Azam was stuck with fans in America. Now a video of Pakistan's fast bowler Haris Rauf is becoming increasingly viral on the Internet, in which he is quarreling with a fan, but the amazing thing is that instead of recognizing the fan of his country, he is blaming India for it. For Pakistan, the journey of the time in America has been first match to host America. for Pakistani fans, because part-time players, most of also a taxi driver. Most of the Pakistani fans were already against the US. Then the India took the anger of had scored only 119 runs team could score only 113 Pakistani fans cannot Actually, there are only two cricket and the other is the condition of the Pakistani cricketers there have also cricketers in Pakistan also

T20 World Cup being held for the first absolutely disappointing. Pakistan lost its This was no less than a 440 volt shock all the players in the new US team are them are software engineers and one is players in the team are of Indian origin. upset with their players due to the defeat defeat in the low scoring match with Pakistani fans to the seventh sky. India against Pakistan. In reply, the Pakistani runs and lost the match by 6 runs. tolerate defeat against India anyway. things to be proud of in Pakistan, one is army. The whole world knows the army, but for the last few years the disappointed the public. Like India, get a status higher than celebrities, but the performance that Pakistani fans expect from their players has not been seen for some years. The Pakistani team has been losing tournaments one after the other. Secondly, due to internal issues of their country, foreign teams also do not come to play in Pakistan. The bilateral series between India and Pakistan has been stopped for more than a decade. Now let's talk a little about Haris Rauf's anger. In the video of Rauf that is going viral, he is with his wife outside the hotel and some fans pass by saying something. Haris Rauf tries to rush towards the fans and his wife tries unsuccessfully to stop him, but it is very unfortunate that Rauf starts calling the fan an Indian, while the fan himself is saying in the video that I am a Pakistani. Why would any Indian fan or any Indian be angry with Haris Rauf? He should understand that his own performance is poor. The cricket fans of his country are angry. Even if he was not able to recognize his fans, at least he should not have mentioned India. Before Haris Rauf, another video of Pakistani captain Babar Azam from America also went viral, in which Babar Azam is standing on a road with security personnel. Some fans are requesting to take a photo with him, but instead of accepting their request, Babar is getting into a fight with them. If fans can put players on their heads, they can also bring them down to the ground. This is not only applicable to Pakistani cricketers, but it is the players of the whole world. Gentleness is what makes a player great. It is true that the performance of the Pakistani team is not good at this time, but they can win the hearts of cricket fans with their behavior. There are wins and losses in sports, but blaming another country for your own humiliation cannot be called justified at all.

भारतीय योग विधा को पूरे विश्व ने आत्मसात किया, बनाएं जीवनशैली

कंपनी बाग स्थित पार्क में हुआ मुख्य आयोजन, दसवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर दिखा उत्साह

मुरादाबाद। दसवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर हर ओर उत्साह दिखा। जिला प्रशासन की ओर से कंपनी बाग स्थित पार्क में मुख्य आयोजन किया गया। जिसमें प्रदेश सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री अनिल कुमार मुख्य अतिथि रहे।दसवें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर मुख्य आयोजन प्रशासन की ओर से कंपनी बाग स्थित पार्क में किया गया। सुबह 6 बजे शिविर में योगासन करने के लिए शिविर प्रदेश के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री अनिल कुमार, जिलाधिकारी मानवेन्द्र सिंह आदि पहुंचे। उन्होंने प्रोटोकॉल के तहत विभिन्न योगासन किए। उन्होंने कहा कि योग भारतीय जीवन पद्धति है। ऋषि मुनियों के समय से योग की महत्ता रही। आज पूरा विश्व योग को अपना चुका है। हमें इसे अपने जीवनशैली में इसे शामिल कर खुद के साथ दूसरों को निरोग रहने के लिए प्रेरित करना होगा। जिलाधिकारी मानवेंद्र सिंह ने कहा कि योग से न सिर्फ हमारा शरीर स्वस्थ रहता है बल्कि मानसिक तनाव से निजात मिलती है। यहां पर शिविर में मुख्य विकास अधिकारी सुमित यादव, नगर आयुक्त दिव्यांशु पटेल, अपर जिलाधिकारी प्रशासन गुलाब चंद्र, अपर जिलाधिकारी नगर ज्योति सिंह, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व सत्यम मिश्र, नगर मजिस्ट्रेट, महापौर विनोद अग्रवाल, राष्ट्रीय लोक दल के जिला अध्यक्ष मनोज चौधरी सहित अन्य जनप्रतिनिधियों व बड़ी संख्या में लोगों ने योगासन किया।

संक्षिप्त समाचार

नीट पेपर लीक होने पर उखड़े कांग्रेसी, कहा- धांधली में भाजपा नेताओं की संलिप्तता, होनी चाहिए जांच

मुरादाबाद। मुरादाबाद में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नीट पेपर लीक होने के विरोध पर नारेबाजी की। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में लगातार पेपर लीक हो रहे हैं। कार्यकर्ताओं ने इसकी सीबीआई जांच की मांग भी की।कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने नीट का पेपर लीक होने के विरोध में शुक्रवार को प्रदर्शन किया। आरोप लगाया कि इस परीक्षा में धांधली हुई है। इस कार्य में भाजपा नेताओं की संलिप्तता है। जिला कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के निर्देश पर नीट 2024 में हुई धांधली के खिलाफ कलक्ट्रेट में प्रदर्शन किया।आरोप लगाया कि इस मामले में सत्ताधारी नेताओं की मिलीभगत है। केंद्र में जब से एनडीए

सरकार का शासन आया है, तभी से कोई भी प्रतियोगी या प्रवेश परीक्षा सुचितापूर्ण ढंग से संपन्न नहीं हो रही है। जिससे देश के छात्रों व युवाओं के भविष्य से जमकर खिलवाड़ हो रहा है।बावजूद सत्ताधारी दल मौन बैठा है। गुमराह करने वाले बयान दिए जा रहे हैं। इस बार नीट में तो धांधलेबाजी के सभी रिकार्ड टूट गए हैं। उच्चतम न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद भी सरकार के किसी मंत्री ने अभी तक इस्तीफा देने की जहमत नहीं उठाई। उधर बिहार, गुजरात व हरियाणा जैसे भाजपा शासित राज्यों से इस परीक्षा में हुई धांधली के सूत्र पकड़ में आने से भाजपा की मिलीभगत भी प्रमाणित हो चुकी है। इस मौके पर जिलाध्यक्ष खुर्शीद अहमद ने सिटी मजिस्ट्रेट किंशुक श्रीवास्तव को ज्ञापन सौंपने के बाद आरोप लगाया कि भाजपा सरकार के मंत्री योग्य छात्र -छात्राओं के अधिकारों पर कुठाराघात कर रहे हैं। भाजपा की प्रदेश सरकारें और केंद्र सरकार सभी भर्तियों में बेईमानी कर रही हैं। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस बेरोजगार छात्रों के साथ योग्य छात्रों के साथ खड़ी है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने परीक्षा में हुई धांधली एवं भ्रष्टाचार की जांच करने की मांग की है। प्रदर्शन में अमीरुल हसन जाफरी, आनंद मोहन गुप्ता, श्याम सरन, अफजल साबरी, अनुराग शर्मा, तबस्सुम खान, राजेंद्र वाल्मीकि, दानिश सैफी, विवेक अग्रवाल, गौरव त्रिवेदी, मोहतसिम मुख्तार, भयंकर सिंह बौद्ध, शहजाद खान, कामिल मंसूरी, रामस्वरूप जाटव, सीपी सिंह, अरशद परवेज, वाहिद हुसैन आदि मौजूद थे।

अस्पताल का बिल जमा करने को लेकर दामाद ने की ससुर की पीट-पीटकर हत्या, जानिए पूरा मामला

मुरादाबाद। कांठ थाना क्षेत्र के निजी हॉस्पिटल में गुरुवार रात अस्पताल का बिल जमा करने को लेकर युवक का ससुरालवालों से विवाद हो गया। युवक ने अपने दो भाइयों संग मिलकर अस्पताल परिसर में ससुर की लाठी डंडों से पीट-पीटकर हत्या कर दी। सूचना

मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया है। आरोपी रफी की पत्नी तैयबा को डिलीवरी के बाद ब्लीडिंग होने के चलते पिता बदलू ने बेटी को 19 जून को थाना कांठ क्षेत्र के निजी अस्पताल में भर्ती कराया था, जहां अस्पताल से छुट्टी होने के बाद बिल जमा करने को लेकर दामाद रफी ने अपने भाईयों संग मिलकर अपने ससुरालियों पर अस्पताल परिसर में लाठी डंडों से हमला कर दिया। बदलू पुत्र जाहिद निवासी ग्राम रसूलपुर चौरह थाना छजलैट गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। हत्या की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया है। परिजनों ने बताया मृतक के सात बच्चे हैं। पांच बेटी दो बेटे हैं। मृतक ने अपनी चौथी बेटी तैयबा की शादी वर्षा 2021 में सालाबाखेड़ा निवासी युवक रफी के साथ हुई थी। परिवार वालों का आरोप है कि मृतक का दामाद रफी शादी के कुछ महीनों के बाद से ही दहेज को लेकर उनकी बेटी तैयबा को तंग करता चला आ रहा था। पांच दिन पूर्व हुई तैयबा की डिलीवरी के बाद अचानक बुधवार रात ब्लीडिंग होने लगी, जिसको थाना कांठ इलाके के रुबिया हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था।

कौशल के पीछे लगे थे हत्यारे.. अंधेरे में पहुंचते ही मारी गोली, पुलिस ने खंगाले 200 कैमरे

मुरादाबाद। मुरादाबाद की एकता कॉलोनी में युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस मामले में पुलिस ने आरोपियों तक पहुंचने के लिए 200 से अधिक सीसीटीवी खंगाले हैं। अधिकारियों के मुताबिक हत्याकांड में शामिल आरोपियों के बारे में कुछ जानकारी हाथ लगी है। कौशल हत्याकांड में पुलिस को अहम सुराग हाथ लग गए हैं। पुलिस ने कार्यक्रम स्थल से लेकर घटनास्थल और एकता कॉलोनी तक 200 से ज्यादा कैमरों की फुटेज खंगाली है। पुलिस को कुछ फुटेज में दो संदिग्ध युवक कौशल के पीछे पीछे चलते दिख रहे हैं। जिस जगह कौशल गोली मारी गई थी। वहां न कोई कैमरा है और न और रोशनी थी।अंधेरे में पहुंचते ही हत्यारों ने कौशल को सिर में पीछे से तमंचा सटाकर गोली मारी और भाग गए। अंधेरा होने के कारण हत्यारे किस दिशा में भागे थे। इसका कोई पुष्ट सबूत अब तक पुलिस को नहीं मिल पाया है। कौशल बुधवार रात रामलीला मैदान के पास गोद भराई की पार्टी में खाना बनाने गया था।रात करीब सवा 11 बजे वह काम खत्म करने के बाद पैदल ही घर आ रहा था। वह पुतली रोड से होते हुए सूत मिल के पीछे वाले रास्ते पर मंदिर से आगे निकला ही था। अंधेरे मोड़ पर पीछा कर रहे हत्यारों ने उसके सिर में पीछे से गोली मार दी थी। इसके बाद हत्यारे भाग निकले।कौशल के हाथ में टंगी खाने की थैली भी गिर गई और खाना बिखर गया था। बृहस्पतिवार सुबह घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए और उन्होंने पुलिस टीमें आसपास के क्षेत्र में फुटेज चेक करने के लिए लगा दीं। लेकिन अफसरों के जाने के बाद पुलिसकर्मी भी चले गए।

मरीजों को दर्द अभी.. अल्ट्रासाउंड के लिए मिल रही तारीख पर तारीख, इस जिले के सरकारी अस्पताल की यह है हकीकत

अमरोहा जिला अस्पताल में अल्ट्रांसाउड जांच के लिए मरीजों को कई दिनों का इंतजार करना पड़ा है। सबसे ज्यादा परेशानी गर्भवतियों को उठादुआ करिए कि आपको ऐसी कोई बीमारी न हो, जिसमें अल्ट्रासाउंड जांच की जरूरत पड़े। जिले में सिर्फ जिला अस्पताल में अल्ट्रासाउंड की सुविधा है, लेकिन, यहां भीड़ के कारण नंबर लगाने के बाद तारीख पर तारीख मिल रही हैं। मरीजों को पंद्रह से 37 दिन तक बाद की तारीख दी जा रही है।जिला अस्पताल में मरीजों के मुफ्त अल्ट्रासाउंड- एक्सरे की सुविधा उपलब्ध हैं। एक अल्ट्रासाउंड मशीन महिला विंग में लगी है। जबकि, दूसरी जिला अस्पताल की मुख्य बिल्डिंग में। तमाम बीमारियों और गर्भवती महिलाओं के लिए डॉक्टर अल्ट्रासाउंड के लिए लिखते हैं।बिना अल्ट्रासाउंड कराए दवा नहीं देते। ऐसे में जिलेभर के सैकड़ों मरीज जिला अस्पताल का रुख करते हैं। लेकिन, जिला अस्पताल की अल्ट्रासाउंड व्यवस्था वेंटिलेटर पर है। अल्ट्रासाउंड की दो मशीनें पर दो रेडियोलॉजिस्ट तैनात हैं। बावजूद इसके मरीजों के अल्ट्रासाउंड ही नहीं हो पाते। इतना ही नहीं सैकड़ों मरीज परेशान है। कई बार डॉक्टर कुर्सी से उठकर चले जाएं जो घंटों तक वापस नहीं लौटते। ऐसी स्थिति में मरीज चक्कर लगाते रहते हैं। जबकि, बड़ी संख्या में पहुंचने वाले मरीजों को तारीख पे तारीख दी जा रही है।मरीजों की मानें तो 15 से 37 दिन बाद अल्ट्रासाउंड कराने के लिए समय दिया जा रहा है। बृहस्पतिवार को भी जिला अस्पताल में यही स्थिति रही। बड़ी संख्या में पहुंचे मरीजों को डॉक्टर और स्टाफ कर तरफ से तारीख ही दी गई। पतेई खालसा की रहने वाली मानवती देवी अल्ट्रासाउंड कराने पहुंची थीं, लेकिन उन्हें 37 दिन बाद की तारीख दी गई है। जबकि, ढकिया चमन की रहने वाली शबाना को 18 दिन बाद अल्ट्रासाउंड करने के लिए कहा गया है। इतना ही नहीं बुढ़नपुर की रहने वाली नाजरीन को 16 दिन बाद का समय दिया गया है। जबकि, आलेदादपुर की रहने वाली चंचला देवी को 28 दिन बाद की तारीख दी गई है। अल्ट्रासाउंड नहीं होने की स्थिति में मरीजों को वापस लौटना पड़ा। हालांकि, जिम्मेदारों ने बृहस्पतिवार को 75 मरीजों के अल्ट्रासाउंड करने का दावा किया है। ये है अस्पताल में डॉक्टरों की स्थिति- संयुक्त जिला चिकित्सालय में शासन से डॉक्टरों के 52 पद स्वीकृत हैं, लेकिन महज 20 चिकित्सकों के सहारे स्वास्थ्य सेवाएं जैसे-तैसे रेंग रही है। जिसमे फिजीशियन के 2 पद हैं, जबकि एक डॉक्टर तैनात है। चेस्ट फिजिशियन और कार्डियोलॉजिस्ट के एक-एक पदों पर आज तक डॉक्टरों की तैनाती नहीं हो सकी।बाल रोग विशेषज्ञ दोनों पद भरे हैं। जनरल सर्जन के 2 पद में से एक डॉक्टर की तैनाती है। ऑर्थोपेडिक सर्जन के दोनों पद भरे हुए हैं। जबकि ईएनटी सर्जन के एक पद पर डॉक्टर तैनात हैं। रेडियोलॉजिस्ट के 2 पदों में पर डॉक्टर हैं। चर्म रोग विशेषज्ञ में स्वीकृत एक पद पर डॉक्टर तैनात हैं। ईएमओ के तीनों पर भरे हुए हैं। बाहर अल्ट्रासाउंड कराने में होता है ज्यादा खर्चा- जिला अस्पताल में अल्ट्रासाउंड निशुल्क किया जाता है, लेकिन जब कोई मरीज बाहर अल्ट्रासाउंड कराता है तो उसकी जेब पर 500 से 800 रुपये तक का भार पड़ता है। जिला अस्पताल में लंबी तारीख मिलने की वजह से ज्यादा जरूरत पड़ने पर मरीजों को बाहर भी अल्ट्रासाउंड कराने के लिए मजबूर होना पड़ता है। इन दोनों मरीजों की संख्या बढ़ी है। रोजाना 50-60 अल्ट्रासाउंड करने के बाद भी मरीजों की भीड़ कम नहीं हो रही है। अल्ट्रासाउंड कराने को लेकर लंबा समय दिया जा रहा है, ऐसी शिकायत मिली है। संबंधित डॉक्टर को निर्देशित किया गया है कि मरीजों को अनावश्यक परेशान न किया जाए। - एसपी सिंह, सीएमओ, अमरोहानी पड़ रही है।मरीजों को अल्ट्रासाउंड कराने के लिए 37 दिन बाद की तारीख दी जा रही है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

शासकीय संजय गांधी स्मृति महाविद्यालय में योग दिवस मनाया गया

क्यूँ न लिखूँ सच
अरुण मिश्रा

सीधी - संजय गांधी स्मृति शासकीय महाविद्यालय सीधी में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की दसवीं वर्षगांठ का आयोजन किया गया जिसका मुख्य विषय卐स्वयं एवं समाज के लिए योग卐 था। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर पी के सिंह उपस्थित थे जिनके द्वारा सभी लोगों को नियमित रूप से योग एवं ध्यान करने के लिए प्रेरित किया गया व योग के महत्व के बारे में विस्तार पूर्वक समझाया गया। महाविद्यालय के क्रीड़ा अधिकारी डॉ रवींद्र नाथ सिंह द्वारा प्रोटोकॉल के तहत योग अभ्यास में सूक्ष्म व्यायाम आसन एवं प्राणायाम कराया गया एवं इसके लाभ एवं सावधानियों को भी विस्तृत बताया गया।उक्त कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्राध्यापक डॉ. च स्नेताम,डॉ अरविंद त्रिपाठी, डॉ. आरबीएस चौहान, डॉ. अखिलेश शर्मा, डॉक्टर गुलशेर अहमद, डॉक्टर अश्वनी द्विवेदी,डॉ. सिद्धार्थ कुमार वर्मा डॉ. उमाकांत साहू,डॉ. अमृता सिंह,डॉ राजेश कुमार विश्वकर्मा एवं अन्य कई प्राध्यापक एवं एनसीसी कैडेट्स व अन्य कई छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

उन्नत खेती के लिए अच्छा और प्रामाणिक बीज अति आवश्यक, करे उपयोग- डॉक्टर राजेश मिश्रा

क्यूँ न लिखूँ सच -अरुण मिश्रा

सीधी - सीधी। लोकसभा संसदीय क्षेत्र के नवनिर्वाचित सांसद डॉ राजेश मिश्रा ने अपने व्यस्ततम समय में से कुछ समय निकालकर अपने कृषि कार्य हेतु आज उन्नत एवं प्रमाणिक बीज खरीद कर खेती के व्यवसाय को प्रोत्साहन किया। नवनिर्वाचित सांसद डॉ मिश्रा ने इस दौरान कहा कि मैं और मेरे पूर्वज अन्य कार्यों के साथ-साथ खेती का व्यवसाय भी करते हैं। मैं चिकित्सीय पेसे के साथ-साथ समाज जीवन के अनेक क्षेत्रों में काम करते हुए, कुछ समय निकालकर खेती के लिए आवश्यक देता हूं। खेती की समय पर जुताई, बुवाई, देखभाल और कटाई ठीक समय पर हो, इसे मै निश्चित रूप से प्राथमिकता से करता हूं। आगामी खरीफ फसल के सीजन के लिए सभी किसान भाइयों को शुभकामनाएं देते हुए यह अपील करता हूं कि सभी किसान भाई प्रमाणित और उच्च कोटि का बीज अधिकृत दुकानों से ही खरीदें। जिससे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मंशा अनुसार खेती को फायदे का धंधा बनाया जा सके और किसान की आय दोगुनी हो सके। इसके पूर्व खाद बीज विक्रेता पुष्पराज मिश्रा ने सांसद डॉ राजेश मिश्रा का माल्यार्पण द्वारा स्वागत कर अभिनंदन किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से जिला मीडिया प्रभारी सुरेंद्र मणि दुबे, आईटी के जिला संयोजक आशीष मिश्रा, श्रवण चौबे, मिश्रा बीज़ भण्डार संचालक पुष्पराज मिश्रा, किसान विपिन सिंह चौहान, अनिष्का सीड्स प्रा. लिमिटेड कंपनी प्रतिनिधि मनीष तिवारी, और अनुज शुक्ला सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

समाजवादी छात्र सभा का नीट परीक्षा में धांधली के खिलाफ लोहिया प्रतिमा पर प्रर्दशन

क्यूँ न लिखूँ सच -हारून बख्श

फर्रुखाबाद - समाजवादी छात्र सभा के तत्वाधान में प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर जनपद में पहुँचे प्रदेश उपाध्यक्ष ई.अभिषेक यादव और जिलाध्यक्ष हर्ष के नेतृत्व मे नीट परीक्षा मे हुई धाधली के खिलाफ विरोध प्रदर्शन दर्ज किया छात्र नेता समाजवादी कार्यालय पर एकत्रित होकर जूलूस के रूप में नारे लगाते हुए लोहिया प्रतिमा पहुँचे। जिसके उपरांत प्रदेश उपाध्यक्ष, इंजीनियर अभिषेक यादव ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि लखनऊ में प्रदर्शन के दौरान हमारे प्रदेश अध्यक्ष को गिरफ़्तार किया गया है समाजवादी छात्र सभा छात्रों नौजवानों के हित की लड़ाई हमेशा लड़ती रहेगी और अगर परीक्षा रद्द नहीं हुई तो जल्द ही प्रदेश के सभी जनपदों में आंदोलन खड़ा किया जाएगा। समाजवादी छात्र सभा , फर्रुखाबाद जिलाध्यक्ष हर्ष गंगवार ने कहा कि नीट यूजी 2024 के एक्जाम में एनटीए की अक्षमता तथा भ्रष्टाचार सामनें आया है,लोकसभा चुनाव परिणाम के दिन रिजल्ट घोषित कर एनटीए क्या छुपाना चाहती थी,इस एक्जाम की पारदर्शिता पर विघार्थीयों मे संदेह है, सपा छात्र सभा जिला अध्यक्ष ने कहा कि 67 छात्रों के 720 मे 720 अंक आये हैं जिसमें 44 छात्रों को ग्रेस मार्क दिये गये हैं, इस ग्रेस मार्क का फार्मूला क्या है उसे सार्वजनिक करना चाहिए। इस दौरान छात्रसभा के महासचिव राहुल यादव,सह मीडिया प्रभारी रवि यादव,विधानसभा अध्यक्ष तसलीम ख़ान,लोहिया वाहिनी के पूर्व ज़िलाध्यक्ष राजपाल यादव,पुष्पेन्द्र यादव शीटू,सुमित यादव,निर्दोष यादव,महानगर अध्यक्ष मजीद अली,अभिनव यादव,जिला सचिव,राजा पांडेय, जिला सचिव एवम् अन्य पार्टी के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर विधायक, कलेक्टर, जिला पंचायत सीईओ, जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक और अधिकारी-कर्मचारियों ने किया सामूहिक योग

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- दशम अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के स्टेडियम ग्राउंड में जिला स्तरीय सामूहिक योग का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि विधायक श्री भूलन सिंह मरावी ने विभिन्न_मुद्राओं में योगाभ्यास किया। इस अवसर पर श्री बाबूलाल अग्रवाल, श्रीमती सुमन सिंह, श्रीमती गीता जयसवाल, कलेक्टर श्री रोहित व्यास, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एम.आर. अहिरे, जिला पंचायत सीईओ, जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कर्मचारी, गणमान्य नागरिकों सहित स्कूली बच्चे भी शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रेमनगर विधायक श्री भूलन सिंह मरावी ने उपस्थित जनो को संबोधित करते हुए कहा कि योग हमारे परंपरा और संस्कृति का हिस्सा रहा है। ऋषि मुनिगण भी योग से सिद्धि प्राप्त करते थे और समाज के कल्याण में ऊर्जा को लगाते थे। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की बधाई देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री_श्री_नरेंद्र मोदी ने योग को विश्व पटल पर एक नया रूप दिया। आज पूरा विश्व योग कर रहा है। हमें योग को अपने जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि वही मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने भी योग का संदेश दिया है।

मुख्यमंत्री समय रहते कदम उठायें अन्यथा स्थिति नियंत्रण से बाहर हो जायेगी-अजयसिंह

क्यूँ न लिखूँ सच -अरुण मिश्रा

सीधी - पूर्व नेता प्रतिपक्ष और विधायक अजयसिंह ने कहा है कि प्रदेश में माफियाओं द्वारा बिजली चोरी की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। बिजली अधिकारियों द्वारा वसूली करने या कनेक्शन काटे जाने पर छुटभैया नेताओं द्वारा अराजकता की जाती है। उनके द्वारा बिजली दफ्तरों में हंगामा किया जाता है। बिजली दफ्तरों में तोड़-फोड़ कर अधिकारियों कर्मचारियों के साथ दुर्व्यवहार किया जाता है। कभी-कभी तो स्थिति हिंसक हो जाती है। इन घटनाओं से बिजली अमले में भय और रोष है। इन घटनाओं में भाजपा से जुड़े पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं के नाम अक्सर समाचारपत्रों में प्रकाशित होते रहते हैं। विद्युत अधिकारी कर्मचारी संघ ने सरकार से सुरक्षा की मांग की है अन्यथा वे काम का बहिष्कार करेंगे। अजयसिंह ने मुख्यमंत्री मोहन यादव से समय रहते वस्तुस्थिति की जानकारी बुलाकर कार्यवाही करने की मांग की है। उन्होंने कहा है कि परिस्थितियां और खराब हों, इसके पहले एक्शन लिया जाना जरूरी है ताकि बिजली अमले का मनोबल बना रहे। उन्हें तत्काल उच्च अधिकारियों की बैठक बुलाकर समस्या का समाधान खोजना चाहिये और विद्युत अमले की सुरक्षा के लिए ठोस नीति लागू करना चाहिये। सिंह ने कहा कि वे ये सब बातें जबलपुर में हाल ही में हुई घटना के संदर्भ में कह रहे हैं। उन्होंने कहा कि जबलपुर के विजयनगर में विगत दिवस लोगों ने बिजली दफ्तर में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बिजली बिल को लेकर गाली-गलौच की, धक्का मुक्की करते हुए मारपीट की और तांडव मचाया7 घटना का वीडियो सामने आया है7 यह कृत्य कुछ अराजक लोगों द्वारा किया गया है जो खुद को जनप्रतिनिधि कह रहे हैं7 इसकी शिकायत पुलिस में भी हुई है सिंह ने कहा कि प्रदेश भर में भीषण गर्मी है। लगातार विद्युत आपूर्ति की डिमांड बढ़ती जा रही है। कम संसाधन के बाद भी विद्युत कर्मी पूरी लगन और मेहनत के साथ विद्युत आपूर्ति बनाये रखने में पूरा योगदान दे रहे हैं। ऐसे में सरकार का दायित्व है कि परिस्थितियों को बिगड़ने न दे और दोषियों के विरुद्ध निष्पक्ष कार्यवाही की जाये।

जिले भर में अलग अलग जगह जाकर नुक्कड़ नाटक एवं चौफाल लगाकर लोगो को किया गया जागरूक

क्यूँ न लिखूँ सच -अरुण मिश्रा

सीधी - आगामी 26 जून को मनाए जाने वाले अंतर्राष्ट्रीय नशा मुक्ति दिवस के लिए पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी निर्देश के बाद पुलिस अधीक्षक सीधी डॉ. रविन्द्र वर्मा के निर्देशन एवं समस्त एसडीओपी के मार्गदर्शन में जिले के समस्त थाना/चौकी प्रभारियों के नेतृत्व में जिले भर में नुक्कड़ नाटक एवं चौफाल लगाकर लोगों को नशे के विरुद्ध जागरूक किया गया। गौरतलब है कि नशीले पदार्थों का समाज में तेजी से चलन बढ़ रहा है। जिसकी चपेट में नवयुवक आ रहे हैं। युवाओं में विशेष कर स्कूल/ कॉलेज के छात्र-छात्राओं में नशे की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है। नशा एक ऐसा पदार्थ है जिसके प्रयोग से मानव शरीर खोखला हो जाता है। नशे की भेंट चढ़ जाने के कारण कैंसर, जिगर का खराब होना, फेफड़ों, दिल की बीमारी, शरीर का कमजोर होना, याददाश्त कमजोर होना, एड्स, मानसिक रोग आदि की बीमारी शरीर में घर कर सकती है। नशे की आदत एक बीमारी है जिससे ज्यादातर सामाजिक, मानसिक तथा आर्थिक रूप से कमजोर लोग ही इसका शिकार होते हैं। इस लिए उनसे सहानुभूतिपूर्ण रवैया अपनाना चाहिए। नशे में फंसे व्यक्ति का मनोबल बढ़ाना चाहिए तथा इलाज के लिए प्रेरित करना चाहिए। साथ ही यह प्रवृत्ति इनको अपराध घटित करने के लिए भी प्रेरित करती है। आने वाले पीढ़ी को नशे से दूर कर एक सुनहरा भारत बनाने के लिए सीधी पुलिस ने यह पहल की है।अपील पुलिस अधीक्षक- जिला वासियों से भी अपील है कि आप अपने आस-पास के लोगो को नशे से होने वाले नुकसान के बारे बताये एवं नशीले पदार्थ बेचने वाले लोगो की जानकारी पुलिस को दे जिससे सीधी जिले को नशामुक्त जिला बनाया जा सके।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर सूरजपुर पुलिस के अधिकारी व जवानों ने बड़े उत्साह और समर्पण के साथ किया योगाभ्यास

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर। पुलिस विभाग हमेशा समाज की सेवा के लिए हर स्थिति परिस्थितियों में तत्परता के साथ अपना सारा समय देता है। इसलिए पुलिस जवानों का स्वस्थ रहना बहुत जरूरी है, योग से संयम और धैर्य बढ़ता है। उप पुलिस महानिरीक्षक व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री एम.आर.आहिरे (भा.पु.से.) के निर्देशन में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर शुक्रवार को पुलिस लाइन सहित जिले के सभी थाना-चौकी में पुलिस अधिकारी और जवानों ने बड़े उत्साह और समर्पण के साथ भाग लिया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो के मार्गदर्शन में पुलिस लाईन में आयोजित योग कार्यक्रम में योग शिक्षक संजय गिरी व महिला प्रधान आरक्षक संतोषी गिरी के द्वारा पुलिस अधिकारियों व जवानों को योगाभ्यास कराया और मंत्रोच्चारण शुरू कर शिथिलीकरण के अभ्यास, खड़े होकर किए जाने वाले 5 आसन, बैठकर किए जाने वाले 7 आसन सहित कपालभाती, अनुलोम, विलोम, प्राणायाम, शीतली, भ्रामणी प्राणायाम व ध्यान के अभ्यास कराए साथ ही योग हमारे जीवन में क्या महत्व रखती है उसके बारे में विस्तार से बताया। योग दिवस के अवसर पर जिलेभर के थाना-चौकी में अधिकारी व जवानों ने योगाभ्यास किया। योग को बढ़ावा देने एएसपी ने दिलाया शपथ। जिले के एएसपी संतोष महतो ने पुलिस अधिकारी व जवानों को योग कर निरोग रहने का संकल्प दिलाया और योगाभ्यास, अनुलोम विलोम कर स्वस्थ रहने का संदेश दिया और बताया कि योग भारतीय परंपरा का एक अनमोल उपहार है। ये मस्तिष्क और शरीर का समन्वय बनाता है, योग ऐसी क्रिया है, जिसे सुबह और शाम को कभी भी आधा घंटे का समय निकालकर किया जा सकता है। योग करने से शरीर तो फिट रहेगा ही मन भी स्वस्थ होगा। इससे अपनी ड्यूटी को अच्छे से मन लगाकर कर सकेंगे। इस दौरान सीएसपी एस.एस.पैंकरा, रक्षित निरीक्षक अशोक गिरी, पुलिस लाईन के अधिकारी व जवान, जवानों के परिजन व बच्चे मौजूद रहे।

नीट परीक्षा में धांधली को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन कर डीएम शामली को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौपा

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली_।कांग्रेस कार्यकर्ता जिलाध्यक्ष शामली अखलाक प्रधान के नेतृत्व में शामली कलेक्ट्रेट मुख्यालय पर पहुंचे। नीट परीक्षा में धांधली को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग की है। शामली में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट पर पहुंचकर धरना प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन डीएम को सौंपते हुए शिक्षा माफियाओं पर सख्त कार्रवाई की मांग भी उठाई है। कांग्रेस कार्यकर्ता जिलाध्यक्ष शामली अखलाक प्रधान के नेतृत्व में शामली कलेक्ट्रेट मुख्यालय पर पहुंचे। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नीट परीक्षा में हुई धांधली को लेकर प्रदर्शन करते हुए डीएम शामली के माध्यम से राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन अधिकारियों को सौंपा। ज्ञापन में केंद्रीय शिक्षा मंत्री के तत्काल पद से इस्तीफा देने की मांग की गई। कांग्रेसियों ने युवाओं के भविष्य को रौंदने का प्रयास करने वाले शिक्षा माफियाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग भी की।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए सम्पर्क करे- 9027776991

संक्षिप्त समाचार

तहसील जमुनहा के प्रांगण में विश्व योगा दिवस कराया गया

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती- श्रावस्ती जमुनहा तहसील में उप जिलाधिकारी संजय कुमार राय व तहसीलदार प्रदुम कुमार व नायब तहसीलदार शुभम तिवारी कर्मचारी उपस्थित रहे। श्री कृष्णा आदर्श इंटर कॉलेज हरदत्त नगर गिरट व कंपोजिट विद्यालय जमुनहा के छात्र छात्राएं व शिक्षक, अभिभावक को योग प्रशिक्षक वीरेंद्र कुमार मौर्य ने वार्मअप, सुखासन, अनुलोम, विलोम, कपाल भाति, भास्त्रिका, सिंहासन, भ्रामरी, वृक्षासन, तड़ासन, नौकासन, भुजंगसन, श्वासन कराये गये। इस दौरान योग प्रशिक्षक आनंद साहनी व विनोद कुमार शर्मा द्वारा योग के महत्व पर छात्रों में अति उत्साह रहा। वही प्रधानाचार्य सुनील कुमार यादव ,आलोक गुप्ता ने सभी योगभ्यास में आये हुए लोगो को टिप्स देते हुए मनोबल प्रदान किया। इस दौरान ग्राम प्रधान हरिद्वार प्रसाद, संदेज सोनी, अखिलेश वर्मा, पवन कुमार वर्मा, तीरथ राम तय साहित अनेक छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी डॉ0 वी0के0 सिंह की अध्यक्षता मे 50 लाख से अधिक के कार्यो की समीक्षा बैठक का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच -हारून बख्श

फर्रुखाबाद - जिलाधिकारी डॉ0 वी0के0 सिंह की अध्यक्षता मे 50 लाख से अधिक के कार्यो की समीक्षा बैठक का आयोजन कलेक्ट्रेट सभागार फतेहगढ़ में किया गया , बैठक में जनपद में चल रही 85 योजनाओं की समीक्षा की गई , जिनमे 09 योजनाओं का कार्य पूर्ण हो गया है, 73 निर्माणाधीन है, 01 की शुरुआत नही हुई व 02 बाधित है, जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि निर्माण कार्यो में मानक व गुडवत्ता का विशेष ख्याल रखा व सभी कार्यो को ससमय पूर्ण किया जाये,समीक्षा में उ0प्र0 राज्य निर्माण एवं श्रम विकास सहकारी संघ का कार्य सबसे खराब पाया गया। बैठक में राज्य सेतु निगम के प्रोजेक्ट मैनेजर अनुपस्थिति रहे जिस कारण उनका स्पष्टीकरण तलब किया गया, यू0पी0आर0 एन0एस0एस0 का कोई भी प्रतिनिधि बैठक में उपस्थित नही हुआ प्रोजेक्ट मैनेजर का स्पष्टीकरण तलब करने के निर्देश जिलाधिकारी द्वारा दिये गये,बैठक में मुख्य विकास अधिकारी व संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

जिले में हजारों लोगों ने 10 वें योग दिवस पर किया योग अभ्यास

क्यूँ न लिखूँ सच -श्याम जी कश्यप

फर्रुखाबाद - फर्रुखाबाद जिले में हजारों लोगों ने 10 वें योग दिवस पर किया योग अभ्यास ब्रह्मदत्त द्विवेदी स्टेडियम में सुबह साढ़े पांच बजे भगवान धनवंत्री एवं महर्षि पतंजलि की पूजा अर्चना से शुरू हुआ कार्यक्रम इसके बाद डीएम डॉ वीके सिंह सहित जनप्रतिनिधियों ने योग की अच्छाइयां और उसके लाभ की दी जानकारी योग प्रशिक्षक अंकुर द्विवेदी के नेतृत्व में हजारों लोगों को कराया गया योग अभ्यास महिलाएं बुजुर्ग युवा सहित हर उम्र के लोग बड़ी संख्या में योग करते नजर आए तय प्रोटोकॉल के अनुसार करीब 45 मिनट तक योग अभ्यास का रखा गया था समय सांसद मुकेश राजपूत ने कहा कि भारत की हजारों वर्ष पुरानी योग की पद्धति को पूरी दुनिया ने अपनाया है योग करने से व्यक्ति निरोगी रहता है और लंबी आयु तक स्वस्थ जीवन जी सकता है - सांसद एडीएम, सीडीओ, सीएमओ सहित विभिन्न अधिकारियों के साथ उनके विभाग के कर्मचारियों ने भी किया योग अभ्यास फतेहगढ़ कोतवाली क्षेत्र से ब्रह्मदत्त द्विवेदी स्टेडियम का मामला

रामनगरी अयोध्या और तीर्थराज प्रयाग में बनेगा अतिविशिष्ट राज्य अतिथि गृह, सीएम ने देखी डिजाइन

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नए अतिथि गृहों की डिजाइन देख ली है। इनकी वास्तुकला में वैष्णव परंपरा की झलक दिखेगी। भवनों का निर्माण राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल और मुख्यमंत्री

आदि के सुरक्षा व सुविधा प्रोटोकॉल के अनुरूप होगा।रामनगरी अयोध्या और तीर्थराज प्रयाग में राज्य सरकार अतिथि गृहों के निर्माण कराने जा रही है। शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दोनों अतिथि गृहों के निर्माण स्थल, ले-आउट, सुविधाओं और साज-सज्जा आदि के संबंध में प्रस्तुतिकरण का अवलोकन किया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री आवास पर राज्य संपत्ति विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि राम जन्म भूमि मंदिर स्थापना के बाद अयोध्या में राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल, सहित देश-दुनिया से अनेक विशिष्ट-अतिविशिष्ट अतिथियों का आगमन हो रहा है। इनके प्रवास के लिए सुरक्षा व सुविधा के उत्कृष्ट मानकों के साथ गेस्ट हाउस की आवश्यकता है। इसी प्रकार प्रयागराज में अतिविशिष्ट जनों के बेहतर आतिथ्य के लिए एक सर्वसुविधायुक्त अतिथि गृह बनाया जाना आवश्यक है। इसके लिए प्रक्रिया जल्द शुरू कर दी जाए। अयोध्या में प्रस्तावित अतिथि गृह के संबंध में मुख्यमंत्री ने कहा कि सरयू नदी के किनारे पर्यटन विभाग की भूमि अतिथि गृह के लिए उपयुक्त होगी। यहां करीब 3.50 एकड़ क्षेत्र में अतिथि गृह बनाया जा सकता है। भवन की वास्तुकला में वैष्णव परंपरा की झलक होनी चाहिए। भवन की ऊंचाई तय करते समय इसका ध्यान रखें कि किसी भी दशा में यह राम जन्म भूमि मंदिर से ऊंचा न हो। वहीं, प्रयागराज में लगभग 10,300 वर्ग मीटर एरिया में प्रस्तावित अतिथि गृह महर्षि दयानंद मार्ग पर होगा। जहां कांफ्रेंस हॉल, डायनिंग हॉल, कैंटीन आदि की उपलब्धता होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि अतिविशिष्ट अतिथियों को आगमन को ध्यान में रखते हुए दोनों अतिथि गृहों में पार्किंग की समुचित व्यवस्था होनी चाहिए। अतिथि गृहों में ओडीओपी ब्लॉक भी हो, ताकि आगंतुक प्रदेश की विविधतापूर्ण शिल्पकला से परिचित हो सकें।

62वीं वाहिनी एस.एस.बी. के जवानों ने नशा मुक्त भारत अभियान के तहत निकाली साइकिल जागरूकता रैली

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती- रवीन्द्र कुमार राजेश्वरी, कमान्डेंट 62वीं वाडिनी स.सी.ब.. भिनगा के दिशा निर्देशन एवं श्री निरुपेश कुमार, उप कमान्डेंट के नेतृत्व में वहिनी मुख्यालय भिनगा से जिला चिकित्सालय

भिनगा तक नशा मुक्त भारत परतवाड़ा कार्यक्रम के तहत साइकिल जागरूकता रैली का आयोजन किया गया इस दौरान निरुपेश कुमार, उप कमान्डेंट और श्री सोनू कुमार, उप कमान्डेंट सहित अन्य जवानों के द्वारा बाहिनी मुख्यालय भिनगा से जिला चिकित्सालय भिनगा तक साइकिल जागरूकत रैली निकाल कर ग्रामीणों को नशीली दवाओं का दुरूपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ जागरूक किया गया इस मौके पर वी निरुपेश कुमार, उप-कमान्डेंट ने कहा कि इस जागरूकता अभियान का मुख्य उद्देश्य नशे से आजादी का सन्देश देश के सभी नागरिको तक पहुँचाना है नशीली वस्तुओं का सेवन एवं तस्करी दोनों जनहित के लिए हानिकारक है अपने जीवन एवं देश हित की रक्षा के लिए नशीली चीजों का सेवन न करें और नशीली वस्तुओं की तस्करी को रोकने का संकल्प लें तथा दूसरों को भी नशे का शिकार होने से बचाएं मादक पदों का सेवन शरीर के लिए हानिकारक है इस व् अन्य नशीले पदों के सेवन करने से कई प्रकार की घातक बीमारी होती है इसी वजह से घर में कलह होने से परिवार भी बिखर जाता है नशा मुक्त भारत पखवाडा कार्यक्रम वाहिनी सहित भारत नेपाल सीमा पर तैनात वाहिनी की समस्त समवाय/समा चौकियो के द्वारा दिनांक 12 जून 2024 से ही विभिन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है जोकि 26 जून 2024 को %अन्तर्राष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस% तक चलाया जायेगा जिसके तहत सीमवर्ती ग्रामीणों को नशीली दवाओं का दुरूपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ जागरूक किया जा रहा है इस जागरूकता रैली के दौरान उप-निरीक्षक उत्तम चन्द कुण्डल, सहायक उप-निरीक्षक सोहन सिंह एवं वाहिनी के समस्त जवान मौजूद रहे।

सफाई कर्मी के नआने से सड़क पर बह रहा गन्दा पानी

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती-श्रावस्ती विकासखंड जमुनहा के ग्राम पंचायत जमुनहा भवनियापुर के जमुनहा बाजार मे सफाई कर्मी के न आने से नालिया गंदगी से भर गई है । और गंदा पानी सड़क पर बह रहा है बाजार के लोग गंदे पानी से होकर जाने को मजबूर है जिसकी शिकायत बाजार के अनिल साहनी, संतोष जायसवाल दुर्गेश जायसवाल व अन्य लोगो ने खंड विकास अधिकारी जमुनहा से किया गया तो अस्वासन दिया की सफाई कर्मी को भेज कर नालिया साफ कराई जाएंगी और सफाई कर्मी के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी।

थाने में डीजे पर डांस करना पड़ा भारी, गाड़ी जब्त, चालक और युवक पकड़े, अन्य की तलाश

अलीगढ़ के दादों थाना परिसर में डीजे पर डांस करते हुए एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। पुलिस ने वीडियो को संज्ञान लेते हुए गाड़ी को जब्त कर चालक और एक युवक को पकड़ कर कार्रवाई की है। अन्य की तलाश में पुलिस लगी हुई है। धरना प्रदर्शन के दौरान एक युवक थाना परिसर में लगे डीजे पर डांस कर रहा था। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते ही पुलिस हरकत में आ गई। वाहन को जब्त किया गया है। गाड़ी चालक व डीजे पर डांस करने वाले युवक का चालान किया है। दादों थाना परिसर में 18 जून को

भारतीय किसान यूनियन अधिकार का कुछ मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन था। धरना प्रदर्शन के दौरान एक युवक थाना परिसर में लगे डीजे पर डांस कर रहा था। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते ही पुलिस हरकत में आ गई। पुलिस द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार जो थाने में डांस करते हुए लड़के दिखाई दे रहे थे उसके सम्बन्ध में 18 जून को यूनियन में गाड़ी नंबर यूपी 24 टी 0665 में डीजे लगा था। इस वाहन को जब्त किया गया है। गाड़ी चालक शीलेन्द्र कुमार पुत्र प्रकाश निवासी माहरी नगला कसेर थाना दादों जनपद अलीगढ़ व डीजे पर डांस करने वाला युवक स्वदेश पुत्र तहसीलदार निवासी नगला रम थाना दादो अलीगढ के विरूध्द 21 जून को धारा 151 सीआरपीसी में चालान किया है। अन्य के विरूद्ध निरोधात्मक कार्यवाही की जा रही है ।दादों थाना प्रभारी उपेंद्र कुमार मलिक ने बताया कि डांस करने वालों में से एक के खिलाफ कार्रवाई की गई है। वहीं वाहन में लगे डीजे को जब्त करने की कार्रवाई की गई। चालक को भी शांति भंग में जेल भेजा गया है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में जो व्यक्ति दिख रहा है उसके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। फरार युवक की शिनाख्त की जा रही है।

मृतक की बहन जाकिया बोली- आरोपियों के घर पर भी चले बुलडोजर

अलीगढ़ के मामू भांजा इलाके में पिटाई से मरने वाले औरंगजेब की बहन जाकिया ने कहा कि सूबे के मुख्यमंत्री ऐसी घटनाओं में भेदभाव की नीति रखते हैं क्या? इस घटना में अब तक आरोपियों के घर उनका बुलडोजर क्यों नहीं पहुंचा है। जब तक बुलडोजर नहीं चलेगा और आरोपियों को सजा नहीं मिलेगी, तब तक न्याय नहीं माना जाएगा। मीडिया से बातचीत में औरंगजेब की बहन जाकिया ने कहा कि उसका भाई रोटी बनाकर लौट रहा था, उसे खींचकर मारा गया है। चोरी का इल्जाम झूठा

लगाया जा रहा है। आज तक उस पर कहीं कोई एक अपराध दर्ज नहीं है।20 जून को सुबह से ही औरंगजेब के घर संवेदना व्यक्त करने के लिए लोगों की आवाजाही रही। सपा कार्यकर्ता पहले दिन ही से ही परिवार के सदस्यों के लगातार संपर्क में हैं। इस दौरान मीडिया से बातचीत में औरंगजेब की बहन जाकिया ने कहा कि उसका भाई रोटी बनाकर लौट रहा था, उसे खींचकर मारा गया है। चोरी का इल्जाम झूठा लगाया जा रहा है। आज तक उस पर कहीं कोई एक अपराध दर्ज नहीं है। प्रदेश में ये कैसा कानून है जो धर्म देखकर कार्रवाई करता है।एक करोड़ रुपये मुआवजा और नौकरी देने की मांग- औरंगजेब के बड़े भाई गुलजार ने बताया कि वह बाहर रहता है। यहां दोनों भाई बीमार मां के साथ रहते थे और देखभाल करते थे। उन्होंने कहा कि परिवार को एक करोड़ मुआवजा व सरकारी नौकरी दी जाए। साथ में चोरी के आरोप पर भी यही कहा कि कोई उस पर पुराना अपराध बता दे तो वह मान लेंगे। परिवार ने मुकदमे के अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी का मुद्दा भी उठाया। यह भी कहा कि जिस तरह से नाम निकालने या धारा घटना का दबाव बनाया जा रहा है। उस तरह का कोई कदम उठाया तो वे आंदोलन को बाध्य होंगे। इसके अलावा घर के बाहर से सुरक्षा घटाने पर भी परिवार ने ऐतराज जताया। बीमार मां का कराया गया उपचार- इस दौरान बेटे की मौत की खबर पर मां की हालत बिगड़ गई। जिसे उपचार के लिए ले जाया गया। परिवार से जब मां से बातचीत कराने के लिए कहा गया तो उधर से यही जवाब आया कि अभी मां की हालत सही नहीं है। सामान्य दिनों की तरह रहा इलाके का माहौल, खामोशी- इलाके का माहौल सामान्य दिनों की तरह रहा और बाजार भी खुले। लोगों की आवाजाही के चलते भीड़ भाड़ का माहौल जरूर उनके घर के आसपास बना रहा। मगर बेहद तनावपूर्व खामोशी है। इस खामोशी को लेकर भी तरह तरह की चर्चाएं हो रही हैं। खुफिया टीमें लगातार नजर रखे हुए हैं। हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है। कांग्रेस ने भी बनाया जांच दल, आज आएगा- इस प्रकरण में सपा के बाद कांग्रेस ने भी अपना जांच दल बनाया है। प्रदेश नेतृत्व ने इस संबंध में पत्र जारी किया है। यह जांच दल पूरे मामले में जांच करने और मृतक परिवार से मिलने 21 जून को यहां पहुंचेगा। इस जांच दल में पूर्व विधायक विवेक बंसल, हरेंद्र अग्रवाल, रामकुमार रावत उपाध्यक्ष, कौशलेंद्र यादव महासचिव, परवेज अहमद महासचिव, माजिद जैदी, प्रतिमा सिंह महासचिव, विनीत पाराशर वाल्मीकि, धर्मेंद्र लोधी, अखिलेश शर्मा, राजेश राज जीवन, शहनवाज आलम, जिलाध्यक्ष सोमवीर सिंह, महानगर अध्यक्ष नवेद खां, ऋचा कौशिक, रूही जुबैरी, मोनिका सूर्यवंशी, गौरांग देव चौहान, धर्मेंद्र कुमार, अखिलश कुमार, सलमान इम्तियाज शामिल हैं। ये प्रदेश स्तर पर अपनी रिपोर्ट देंगे और जिला प्रशासन को ज्ञापन भी देंगे। 22 जून को आएगा सपा का दल, एक सांसद और बढ़ाए- सपा का जांच दल 22 जून को इस मामले में जांच के लिए आएगा। इस जांच दल में अब तक नियत टीम के अलावा संभल के सांसद जियाउर्रहमान वर्क का नाम भी बढ़ाया गया है।

आप अपना किसी भी प्रकार का विज्ञापन प्रकाशित कराये जैसे नीलामी सूचना, बेदखली सूचना, क्रय विक्रय सूचना आदि, वो भी कम कीमत में संपर्क करे - 927776991

संक्षिप्त समाचार

नेट परीक्षा की सीबीआई जांच हो, कांग्रेसियों ने किया प्रदर्शन, शिक्षा मंत्री से इस्तीफा देने की मांग

अमरोहा में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कलक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया। उन्होंने नेट परीक्षा की सीबीआई जांच करवाने की मांग की है। कहा कि परीक्षा में धांधली की गई है। उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री से इस्तीफा देने की मांग की है। यूजीसी नेट परीक्षा की सीबीआई

जांच करने की मांग को लेकर कांग्रेस पदाधिकारी ने कलक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया। राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन डीएम को सौंपा। यूजीसी नेट परीक्षा में भ्रष्टाचार के कारण लाखों युवाओं का भविष्य दांव पर लगने की बात कही।शुक्रवार को कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष ओमकार कटारिया व शहर अध्यक्ष फैज आलम राइनी के नेतृत्व में तमाम कांग्रेसी कलक्ट्रेट पहुंचे। यूजीसी नेट-2024 का परिणाम चार जून को जारी हुआ था। जिसमें कई अनियमित्ताएं जाहिर हुई। पेपर लीक का आरोप भी अभ्यर्थियों द्वारा लगाया गया।परीक्षा में तकनीकी गड़बड़ियां, कदाचार और अनुचित साधनों का प्रयोग किया गया। भाजपा शासित राज्य उत्तर प्रदेश, बिहार, गुजरात और हरियाणा में यूजीसी नेट परीक्षा से संबंधित भ्रष्टाचार के लिए कईं लोगों की गिरफ्तारियां भी हुईं। नेट परीक्षा में भ्रष्टाचार के कारण लाखों युवाओं का भविष्य दांव पर लग गया है। अभिभावकों के लाखों रुपये बर्बाद हुए हैं, जिस कारण कई छात्र अवसाद में हैं। नेट मेंडिकल की परीक्षा है। जिसे ईश्वर का स्वरूप चिकित्सकों का निर्माण होता है। ऐसी परीक्षाओं में कदाचार और भ्रष्टाचार से आए हुए चिकित्सक भविष्य में आम जनमानस के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ ही करेंगे। नेट परीक्षा में हुई धांधली के आरोपों को बल मिलता है। कांग्रेस पार्टी ने अपने धोषणा-पत्र में पेपर लीक के खिलाफ सख्त कानून लागू करके युवाओं के भविष्य को सुरक्षित करने का वादा किया था। इसलिए कांग्रेस सरकार से मांग करती है कि यूजीसी नेट परीक्षा को रद्द करते हुए सीबीआई जांच कराई जाए। साथ ही युवाओं के भविष्य को रौंदने का प्रयास करने वाले शिक्षा माफियाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही सभी धांधलियों की जिम्मेदारी लेते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री अपने पद से तत्काल इस्तीफा दें। इस दौरान अब्दुल सत्तार सैफी, अली हसन, चौधरी नरेंद्र सिंह, अमन कुमार, जाहिद, इसरत अली आदि मौजूद रहे।

बीती रात आयी तेज हवा से लगभग दो दर्जन विद्युत पोल टूटे

क्यूँ न लिखूँ सच -अरविन्द कुमार यादव

श्रावस्ती- विकास क्षेत्र जमुनहा के हरदत्त नगर गिरंट क्षेत्र मे बीती रात आयी आंधी पानी मे पेड़ों और बिजली के विद्युत पोलों को जमीन पर धराशाई कर दिया। बभनपुरवा गांव के मुन्ना खां के गोदाम का टीन शेड आंधी तूफान के चलते जमीन पर आ गिरा जिसके चलते गोदाम के बगल से निकली ग्यारह हजार विद्युत

लाइन के गिर गयी और विद्युत पोल टूट कर जमींदोज हो गया। इसी तरह हरदत्त नगर गिरंट के केवटनपुरवा गांव के पास सड़क किनारे लगा पेड़ ग्यारह हजार विद्युत लाइन पर जा गिरा जिसके चलते तीन बिजली के पोल और डबल पोल रखा टांसफार्मर टूट कर धराशाई हो गया। इसी तरह आंधी तूफन के चपेट में आने से जयपत्तपुरवा गांव सड़क किनारे लगा बिजली पोल टूट कर धराशाई हो गया। 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र उरलहवा बंजारन पुरवा के अवर अभियंता के के तिवारी ने बताया सबसे अधिक हमारे आंधी तूफन के चलते 50 विद्युत पोल टूट कर धराशाई हो गए हैं।

सोनम सिडाना के नेतृत्व में दर्जनों महिलाओं ने किया योग

क्यूँ न लिखूँ सच
यशवंत कुमार

किच्छा - अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर करे योग रहें निरोग के नारे के साथ पतंजलि महिला समिति किच्छा द्वारा सामूहिक रूप से योगाभ्यास विवेकानंद पार्क आवास विकास किच्छा में किया गया ।सह तहसील प्रभारी श्री मति कुसुम नारंग के दिशा निर्देशन में प्रेमा जोशी एवम नीतू सिंह ने मंच से योगाभ्यास करवाया।पतंजलि महिला तहसील प्रभारीश्री मति जानकी तिवारी,भाजपा नेत्री श्रीमती शैली फुटेला,श्री मति शशि शुक्ला, रेनू जुनेजा,ममता जलहोत्रा,बिमला मुंडिया,दीपा गोयल,अनिता गोयल,सोनम सिडाना,ममता नारंग,मीना शर्मा,नवनीत कौर,शांति तलवार ,रेखा भाटिया ,सुमन खुराना,सोनू नारंग,बबिता नारंग ,गीता पंत,प्रेमलता चौहान,लता सिंह आदि मौजूद रहे

राजश्री कालेज में मनाया गया दसवां वॉ अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस

क्यूँ न लिखूँ सच
रिठौरा।दसवां वॉ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस राजश्री इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी बरेली में सामूहिक योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें एनसीसी के कैडेट्स, शिक्षक व स्टाफ ने प्रतिभाग किया। इस कार्यक्रम में बोलते हुए चेयरमैन राजेंद्र कुमार अग्रवाल ने योग की महत्ता बताते हुए कहा कि योग जीवन का आधार है इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को प्रतिदिन योग करना चाहिए।

इसी क्रम में बोलते हुए संस्थान की एकेडमिक एडवाइजर मिस तूलिका अग्रवाल एवं मैनेजिंग डायरेक्टर रोहन बंसल ने कहा योग न केवल हमारे शरीर को बल्कि मन और आत्मिक बल को सुदृढ़ और संतुष्टि प्रदान करता है जिससे सकारात्मक विचार आते हैं निदेशक (शोध एवं विकास) प्रो. डॉ. पंकज कुमार शर्मा ने योग के फायदे व योग कैसे करना चाहिए उसके बारे में विस्तृत रूप से बताया और कहा योग के साथ-साथ सभी को मेडिटेशन भी करना चाहिए जिससे मन शांत व चिंता मुक्त बना रहे और सभी से आग्रह किया कि इसे अपने दैनिक जीवन में सम्मिलित करना चाहिए। कार्यक्रम में उपस्थित प्रमुख लोगों में डीन एकेडमिक्स डॉ. साकेत अग्रवाल, डायरेक्टर एकेडमिक्स प्रो. डॉ. अनिल कुमार, रजिस्ट्रार दुष्यंत माहेश्वरी, प्राचार्य डॉ. मुकेश पाल गंगवार, रेनू गंगवार, प्रह्लाद सिंह, सुरेन्द्र सिंह, सी.टी.ओ. उपासना, जी.सी.ए. रेनू गंगवार एवं अन्य शिक्षकगणों का विशेष योगदान रहा।

डिप्टी सीएम केशव बोले : लोकसभा चुनाव परिणाम भाजपा की अपेक्षा के अनुरूप नहीं रहे, दूर की जाएंगी कमियां

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि उप चुनाव में सभी सीटों पर कमल खिलने जा रहा है। 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा उत्कृष्ट प्रदर्शन करेगी। लोकसभा चुनाव में परिणाम आशा के अनुरूप नहीं आए हैं।प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि लोकसभा चुनाव

परिणाम हमारी अपेक्षा के अनुरूप नहीं रहे हैं। इस पर मंथन करते हुए कमजोरियों को दूर करने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विधानसभा उप चुनाव में सभी सीटों पर कमल खिलेगा। 2027 के विधानसभा चुनाव में भी भाजपा उत्कृष्ट प्रदर्शन करेगी। केशव प्रसाद मौर्य शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर प्रयागराज पहुंचे थे। डिप्टी सीएम केशव ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की सभी को शुभकामना दी। कहा कि प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्य है कि वह योग के माध्यम से अपने शरीर को स्वस्थ और निरोग रखे। आज भारत ही नहीं पूरी दुनिया में योग दिवस मनाया जा रहा है। कहा कि प्रयागराज महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं का स्वागत करने के लिए तैयार है। मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि उप चुनाव में सभी सीटों पर कमल खिलने जा रहा है। 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा उत्कृष्ट प्रदर्शन करेगी। लोकसभा चुनाव में परिणाम आशा के अनुरूप नहीं आए हैं। जिसकी समीक्षा की जाएगी और कमियों को दूर करने का प्रयास होगा। नीट में पेपर लीक के मामले पर कहा कि इसकी जांच चल रही है इसलिए बोलना उचित नहीं है, लेकिन गड़बड़ी करने वाले किसी भी दशा में बख्शे नहीं जाएंगे।

पुलिस के कार्य को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए किया जाएगा एआई का उपयोग, बोले देवेंद्र फडणवीस

देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि अक्तूबर में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए आदर्श आचार संहिता के कारण चल रहे पुलिस भर्ती अभियान में देरी हो सकती है।महाराष्ट्र के उप-मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस आर्टिफिशियल इंटलीजेंस के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने शुक्रवार को कहा कि राज्य में यातायात प्रबंधन के मुद्दों के समाधान और अधिक प्रभावी व कुशल पुलिसिंग के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का उपयोग किया जाएगा। राज्य गृह मंत्रालय की एक बैठक के बाद उन्होंने मीडिया से बात की। फडणवीस ने कहा, 卐आईआईएम नागपुर ने महाराष्ट्र सरकार के सहयोग से अधिक प्रभावी व कुशल पुलिसिंग के लिए एआई के इस्तेमाल को लेकर एक रिपोर्ट तैयार की।卐 उन्होंने आगे कहा, 卐एक सरकारी कंपनी बनाया जाएगा। परियोजना जल्द ही शुरू होगी। अपराधियों और अपराध की प्रकृति का विश्लेषण किया जाएगा। इससे साइबर अपराध पर डेटा विश्लेषण भी किया जा सकेगा। यातायात प्रबंधन के मुद्दों का हल निकाला जा सकता है। अलग-अलग इकाइयों के लिए मॉड्यूल तैयार किया जाएगा।卐उन्होंने आगे कहा कि अक्तूबर में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए आदर्श आचार संहिता के कारण चल रहे पुलिस भर्ती अभियान में देरी हो सकती है। जहां बारिश हो रही है, वहां आउटडोर फिजिकल टेस्ट के लिए अगली तारीखों की घोषणा कर दी गई है। जहां बारिश नहीं हो रही है, वहां टेस्ट जारी है। आरक्षण को लेकर पूछे गए सवाल पर प्रतिक्रिया देते हुए फडणवीस ने कहा कि सरकार का मानना है कि समाज में तनाव नहीं होना चाहिए। हम मराठा बनाम ओबीसी नहीं चाहिए। दोनों में से किसी के भी हित को कोई नुकसान नहीं होना चाहिए।

सांसद-विधायकों की आपसी लड़ाई ने यूपी में बिगाड़ा भाजपा का खेल, चुनाव की जगह लड़ रहे थे खुद की जंग

यूपी भाजपा ने लोकसभा चुनाव में सभी 80 सीटों पर जीत का लक्ष्य रखा था लेकिन पार्टी 2019 के प्रदर्शन को भी नहीं दोहरा सकी है। ऐसे में पार्टी के पदाधिकारी हार के कारणों को जानने के लिए ग्राउंड पर निकले हैं। लोकसभा चुनाव में हार के कारणों की पड़ताल के लिए ग्राउंड रिपोर्ट पर निकले विशेष दस्ता के सदस्यों (भाजपा के पदाधिकारी) ने भले ही अभी तक अपनी रिपोर्ट नहीं सौंपी है, पर अब तक की पड़ताल में यह साफ हो गया है कि तमाम सीटों पर लोकसभा प्रत्याशियों, विधायकों और संगठन के पदाधिकारियों के बीच चुनाव से अधिक खुद की %जंग% अधिक सिद्दत से लड़ी गई। इसका नतीजा हुआ कि यूपी में भाजपा 80 सीट जीतने के लक्ष्य से जहां चूक गई, वहीं, अपने कोर वोट बैंक गैर यादव पिछड़ी जातियों की करीब 8 फीसदी से अधिक वोट भी गंवा बैठी है।बता दें कि 2019 के चुनाव की तुलना में इस चुनाव में करीब आधी सीट गंवाने की टीस ने भाजपा को अंदर से हिला कर रख दिया है। इसलिए चुनाव के पहले तक कागजों पर सक्रिय रहा पार्टी संगठन अब हर लोकसभा क्षेत्र में जाकर जमीनी हकीकत परख रही है। इसके लिए संगठन ने सभी 80 सीटों पर संगठन के पदाधिकारियों की 40 टीमें बनाकर भेजा है। इस टीम के लोग क्षेत्र में जाकर हार के कारण तलाश रहे हैं।सूत्रों के मुताबिक अधिकांश सीटों पर हार की समीक्षा करने पहुंची टीम के सामने प्रत्याशियों, क्षेत्रीय पार्टी विधायकों और संगठन के स्थानीय पदाधिकारियों के बीच शीत युद्ध की बात सामने आई है। सभी एक-दूसरे के सिर पर हार का ठीकरा फोड रहे हैं।सूत्रों का कहना है कि स्थानीय संगठन और पदाधिकारी जहां सांसद-विधायक की आपसी जंग और जनता में सांसद विरोधी लहर को प्रमुख कारण बता रहे हैं, वहीं, संविधान और आरक्षण के मुद्दे व जमीनी कार्यकर्ताओं की शिथिलता जैसे भी कारण सामने आए हैं। मतदाता सूची में भी गड़बड़ी की भी बात- तमाम सीटों पर मतदाता सूची में गड़बड़ी की शिकायत भी सामने आई है। कार्यकर्ताओं का कहना है कि बड़ी संख्या में भाजपा समर्थक मतदाताओं के नाम कट गए हैं। कई जगहों पर बीएलओ पर भी गड़बड़ी के आरोप लगे हैं। अधिकारियों के सिर पर भी ठीकरा- हार के लिए अधिकारियों के सिर पर ठीकरा फोड़ा जा रहा है और अधिकारियों पर जानबूझकर गड़बड़ी करने का भी आरोप लगाया जा रहा है। तमाम क्षेत्रों में तो लोगों ने कहा कि अधिकारियों की मनमानी और स्थानीय पदाधिकारियों की उपेक्षा के चलते जनता के बीच उनका प्रभाव कम हुआ, इस वजह से भी जनता ने उन्हें नकार दिया।

संक्षिप्त समाचार

ज्वाला देवी सिद्ध पीठ में स्टेबलाइजर बैटरी जल कर राख

क्यूँ न लिखूँ सच -शेर सिंह

बरेली -ज्वाला देवी सिद्ध पीठ पर भगवतीपुर बरेली में पहले घंटे चोरी हुए थे आज किसी अज्ञात व्यक्ति ने पूज्य जी महाराज श्री का इनवर्टर स्टेबलाइजर बैटरी के पासमे कुर्सी रखकर आग लगा दी जिससे सब कुछ जलकर राख हो गया महाराज जी का भारी नुकसान हुआ महाराज जी हिंदू सनातनी है पीठ पर जुआ खेलने को ताश खेलने को मदिरा पीने को मना करते है इसके कारण लोग रंजिश मानते हैं आए दिन कोई ना कोई नुकसान पहुंचाते रहते हैं

साढ़ू को पहले शराब पिलाई, फिर नदी में डुबाया...पत्नी से अवैध संबंध के चलते दी ऐसी मौत; कांप गए घरवाले

मैनपुरी में जिस युवक का शव नहर में मिला था, उसकी शिनाख्त के बाद पुलिस ने खुलासा कर दिया है कि उसकी हत्या की गई थी। हत्यारा कोई और नहीं साढ़ू ही निकला। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मैनपुरी के थाना कुरावली क्षेत्र के गांव जींगन निवासी रंजीत की हत्या के मामले में वांछित चल रहे आरोपी साढ़ू को पुलिस ने बृहस्पतिवार को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने नहर में डुबोकर मारने का अपराध कबूला। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर मृतक के कपड़े व बाइक को नगला जमुनिया के पास से बरामद कर ली है। गिरफ्तार आरोपी को चालान करने के बाद जेल भेजा गया है।भोगांव क्षेत्र स्थित बेवर ब्रांच नहर में 11 जून को कुरावली के गांव जींगन चंदाई के रहने वाले रंजीत का शव पड़ा मिला था। मृतक के पिता मुन्ना लाल ने जनपद एटा के गांव जलालपुर पलरा निवासी साढ़ू अवनीश व नौकर नंद किशोर उर्फ नंदू पर नहर में डुबोकर हत्या करने का मुकदमा दर्ज कराया था। बताया गया कि अवनीश ने रंजीत को एक झगड़े के बाद जान से मारने की धमकी दी थी। हत्या में अवनीश के ससुर सोबरन सिंह और साले अमल सिंह का भी हाथ होने का अंदेशा जताया थाबृहस्पतिवार को पुलिस ने एक सूचना पर हत्याकांड में वांछित चल रहे अवनीश को नगला ऊसर मोड़ के पास से गिरफ्तार कर लिया। थाने लाकर पूछताछ की तो उसने अपना अपराध कबूल किया। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर मृतक की बाइक और कपड़े नगला जमुनिया नहर पटरी के पास से बरामद किए। गिरफ्तार आरोपी को चालान करने के बाद जेल भेजा। पुलिस की पूछताछ में सामने आया है कि रंजीत की हत्या पत्नी के साथ साढ़ू अवनीश के साथ संबंध होने के चलते की पिटाई से आवेश में आकर अंजाम दी गई थी। अवनीश ने बताया कि करीब दो महीने पहले रंजीत ने अपनी पत्नी के साथ उसके अवैध संबंध होने का आरोप लगाया था। उसकी व अपनी पत्नी की पिटाई की थी। इसी के बाद उसने रंजीत को रास्ते से हटाने की योजना बनाना शुरू कर दिया था। घटना वाले दिन रंजीत को खूब शराब पिलाई। अपना पैग वह जमीन पर गिरा देता था। रंजीत जब काफी नशे में हो गया तो उसे नहर में ले जाकर डुबो कर मार डाला।

लुटेरी दुल्हन: शादी के 17 दिन बाद गहनों के साथ हुई फरार, अब पति को दे रही है धमकी

उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जिले में हैरान करने वाला एक मामला सामने आया है। यहां एक दुल्हन शादी के 17 दिन बाद ही गहने लेकर फरार हो गई। अब वो पति को फर्जी मुकदमे में फंसाने और जान से मारने की धमकी दे रही है। मिर्जापुर जिले में शादी के 17 दिन बाद ही आभूषण लेकर फरार दुल्हन अब पति को धमकी दे रही है। पीड़ित पति ने इस मामले में कोर्ट से न्याय की गुहार की है। पति के वाद पर विशेष मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अश्वनी कुमार की अदालत ने समन जारी कर आरोपी दुल्हन को 30 जून को तलब किया है।यह है मामला- रोहनिया थाना क्षेत्र के अमरा खैराचक निवासी नितिश कुमार सिंह ने न्यायालय में वाद दाखिल कर बताया कि उनकी शादी 22 फरवरी 2023 को अहरौरा थाना के बरबकपुर निबासी विभा सिंह के साथ हुई थी। शादी के 17 दिन बाद 12 मार्च 2023 को विभा सिंह घर से 25 हजार रुपये, आभूषण लेकर फरार हो गई। फर्जी केस में फंसाने और जान से मारने की धमकी दे रही है। 50 लाख की मांग कर रही है। महिला के परिवार वाले भी फर्जी मुकदमे में फंसाने की धमकी दे रहे हैं। इसकी शिकायत पुलिस से की गई, परंतु कोई कार्रवाई नहीं की गई। इसके बाद न्यायालय में वाद दाखिल किया गया। विशेष मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट वाराणसी अश्वनी कुमार की अदालत ने समन जारी कर आरोपी विभा सिंह की 30 जून को तलब किया है।

This habit increases the risk of bladder cancer up to six times, if the symptoms are identified on time, life can be saved

Cancer is a rapidly growing disease worldwide, due to which millions of people die every year. Bladder cancer cases are also seeing a surge globally. Bladder cancer begins in the cells of the bladder. If your urine bleeds, there is pain while urinating or you feel the need to urinate frequently, then it can be considered a sign of bladder cancer. Health experts say that the risk of this cancer has been seen more in men than women. In a study conducted to understand the increasing risks of bladder cancer and its causes, scientists have considered smoking as its major risk factor. Experts say that smoking is the main reason for 50-60 percent of the cases of this cancer diagnosed in recent years. If you also smoke, then quit it immediately. Risk of bladder cancer due to smoking - Health experts say that the habit of smoking increases the risk of bladder cancer up to six times. Smoking cigarettes increases the risk of bladder cancer by accumulating harmful chemicals in the urine. When you smoke, your body processes the chemicals present in the smoke and excretes some of them in your urine. These harmful chemicals can damage the lining of your bladder, increasing your risk of cancer. Similarly, being exposed to certain types of chemicals can also make you a victim of bladder cancer. It is also important to know these risk factors. The risk of bladder cancer increases due to smoking, apart from this there are many other risk factors which everyone needs to pay serious attention to. The risk of bladder cancer increases with age, although it can happen at any age. The risk of this cancer has been seen more in people over 55 years of age. Apart from this, if someone in your family has had bladder cancer before, then other people may also be at risk. How to identify its symptoms? Health experts say that whatever the cancer, if its symptoms are identified on time and treatment is started, then the risk of spreading cancer can be reduced. If you feel that the color of your urine has changed for some time, there is blood in it, then consult a doctor immediately and get it checked. Along with problems in urination, some people often have back pain. How to prevent the risk of bladder cancer? - There is no exact way to prevent bladder cancer, yet you can make some efforts to help reduce your risk. If you smoke, quit it immediately. By quitting smoking you can reduce the risk of this cancer to a great extent. Apart from smoking, people who are exposed to more chemicals are also at a higher risk of developing cancer. Including a variety of colorful fruits and vegetables in the diet can be a way to keep the body healthy and prevent the risk of cancer. Antioxidants present in fruits and vegetables can help reduce the risk of cancer.

Excessive heat directly affects the brain, risk of depression and suicide

Many states of the country are facing severe heat and heat wave these days. According to the India Meteorological Department (IMD), heat wave conditions may continue for the next five days in many states including Uttar Pradesh, national capital Delhi. There has been a slight drop in temperature due to light rain and thunderstorm in many parts, although the maximum temperature in most areas remains between 43-46 degrees Celsius. Health experts have advised all people to continue taking precautions to avoid problems caused by high temperature-heat wave. Heatwave not only poses a risk of heat stroke and blood pressure related problems, but it can also affect mental health. Psychiatrists say that extreme heat can also increase irritability and symptoms of depression and cases of suicide. For people who already have problems like anxiety, stress or depression, it becomes even more important to protect themselves from high temperatures.Cases of anxiety and stress increase in summer- Are you also experiencing anger or sudden mood swings when you go out in the scorching heat of summer? If yes, then you are not alone. Researchers said that extreme heat has a bad effect on our mental health, which can increase cases of anger, frustration and depression. Not only this, cases of suicide have also been seen increasing in summer days among people who already have depression and serious mental health problems.What is the effect of heat on mental health? Let us understand this from a psychiatrist.Effect of high temperature on mental health- Dr Satyakant Trivedi, a senior psychiatrist at a hospital in Bhopal, explains, when our body comes in contact with high temperature, it tries to cool itself by producing sweat and widening the blood vessels. However, when you are exposed to extreme heat for a long time, it can also change the way brain chemicals such as serotonin and dopamine work. This condition can affect our mood. This is why cases of disorders such as irritability, anger, anxiety and stress increase significantly in summer. Apart from this, the production of thyroid hormone can be affected due to heat, which can cause fatigue, depression and problems in thinking clearly. Suicide cases increase in summer - Dr. Satyakant explains, cases of suicide have also been reported more on days with high temperatures around the world. A link between increasing heat and suicides has also been found in European countries. A study published by the World Economic Forum (WEF) website states that high temperatures may increase suicides and suicide attempts. Every 1 ° C increase in average monthly temperature can cause a 2.2% increase in mental health-related deaths. Due to lack of serotonin, the symptoms of mental health disorders start worsening, due to which the risk of such serious problems can increase. Keep these things in mind in summer - Dr. Satyakant explains, sleep-related problems are also considered to be one of the reasons for the increase in mental health problems in summer. To reduce the risks, make sleep a priority. Make sure you get enough restful sleep. Regularizing the sleep schedule and getting 6-8 hours of uninterrupted sleep at night has a positive effect on your mood. Apart from this, do regular physical activity. Exercise releases endorphin hormones which can improve your overall health. Light exercise like walking or swimming can also be beneficial. If you see increased symptoms of stress, then definitely consult a psychiatrist about this.

This mistake can make you deaf too, consult a doctor and correct it immediately

Famous singer Alka Yagnik told through a post on social media that her hearing ability has decreased. She has been diagnosed with a rare problem called sensorineural hearing loss. In the post, the singer told that she had this problem due to a viral infection due to which she is now able to hear less. Sensorineural hearing loss (SNHL) has often been considered a natural part of the aging process. However, due to lifestyle and certain environmental conditions, you can fall prey to it even at a young age. Anyone can be at risk of this problem of damage to the structures of the inner ear or auditory nerve. Doctors say, ears are very sensitive organs, which require special care, although a growing bad habit among the youth has increased its risk significantly. Let us know why this problem of low hearing occurs and how can it be prevented? First understand what is sensorineural hearing loss? Our ear is surrounded by many types of sensitive nerves. Any kind of problem in these not only disrupts the ability to hear but it can also cause many other problems including problems in physical balance. With increasing age, your hearing ability starts getting affected due to some types of infections in the ears, genetic factors as well as being exposed to loud noise. Listening to music at high volume through earphones-headphones is considered to be the main factor for this problem increasing at a young age. Ears are damaged by loud noise - Inside our inner ear there is a part called stereocilia which has small hairs. These hairs convert the vibrations from sound waves into nerve signals which your auditory nerves carry to the brain. Usually our ears have the capacity to bear a sound of 70-75 decibels for a few hours. On the other hand, when you come in contact with a sound louder than 85 decibels, these hairs can be damaged, which increases the risk of SNHL. What do experts say? In a conversation, Pune-based ENT specialist Dr. Zakir M. Khan says, long-term use of earphones is harmful for the ears. On the other hand, if you use headphones-earphones that completely cover the ears, then outside air cannot enter the ear. There is a risk of infection by putting rubber earphone plugs in the ears. To keep the ears healthy and safe, it is most important to avoid using such devices that completely cover the ears or have loud sound. Deafness can occur - In some situations, SNHL can develop within three days. About 5 to 20 people out of one lakh people may have this type of SNHL problem. If it is not taken care of in time, SNHL can also cause deafness immediately or in a few days. It often affects only one ear and many people notice it first after waking up in the morning. Apart from the use of earphones, head injury, autoimmune disease, Meniere's disease, side effects of some medicines along with blood circulation problems can also cause SNHL.

Salman Khan-Ranveer Singh ready to rock with Atlee, mass action film to start soon?

A big news has come out for Salman Khan and Ranveer Singh fans. If reports are to be believed, Atlee Kumar is planning to make a high octane action film with both the superstars together. Rumors are rife in both Bollywood and South cinema circles about a possible

collaboration between superstar Salman Khan and acclaimed director Atlee Kumar. According to reports, Atlee decided to give Salman Khan a new script after he backed out of a project due to financial disputes with Allu Arjun. Additionally, it is reported that Atlee, famous for South blockbusters like 'Mersal' and 'Bigil', is making a pan India film with Salman Khan in the lead role. Not only this, Ranveer Singh's name is also being associated with this project, which has increased the excitement of the fans a lot. Salman-Ranveer will come together on screen! - Apparently Atlee is planning a two-hero action film with Salman Khan and Ranveer Singh. Reportedly Ranveer Singh is also keen to collaborate with Atlee Kumar. The move could be a significant opportunity for both the actors and Atlee as well. Well, it is not confirmed yet as the discussions are currently in the initial stages. The film will have high-octane action!- The possibility of Salman Khan and Ranveer Singh sharing the screen under Atlee's direction has raised excitement among fans. Atlee Kumar, known for seamlessly blending entertaining stories with high-octane action sequences, is set to elevate his stature in the Hindi film industry by directing a film with two of Bollywood's biggest stars. Salman-Ranveer's workfront- For Salman Khan, whose recent films have cemented his reputation as the 'Sultan of Bollywood', box-office success with Atlee will further cement his dominance. On the work front, Salman Khan will be seen in the film 'Sikander' in the coming days. Meanwhile, Ranveer Singh is also making headlines for his upcoming film. The actor will soon be seen in Rohit Shetty's directorial 'Singham Again'. Apart from this, he also has the third installment of the 'Don' franchise, 'Don 3', in his pipeline.

Another setback to Darshan in Renukaswamy murder case, court extends police custody for two days

In the Renukaswamy murder case, the police had requested the court to send some of the accused including Darshan and Pavitra to their custody, the judge sent some of them back to police custody including Darshan. Kannada actor Darshan Thoogudeep has been made an accused in the Renukaswamy murder case, which is under continuous investigation. The police custody of actor Darshan, actress Pavitra Gowda and others in the Renukaswamy murder case ended today i.e. June 20 and they were produced before the Magistrate Court. Darshan, Pavitra Gowda and several other accused were arrested on June 11 for the murder of Renuka Swamy. In today's hearing, the police had requested to send some of the accused including Darshan and Pavitra to their custody for trial, but after the hearing, the judge sent some of them including Darshan to police

custody for two days, some accused including Pavitra were sent to judicial custody. Custody extended for two days - Six days ago, the Magistrate Court had said that they should be produced in court by 5 pm on June 20. Similarly, by 3:45 pm, all the accused were produced in the magistrate's court. There was a crowd of lawyers in the court hall. Ropes were tied and arrangements were made to control the people, but there was a huge stampede. The hearing took place in the court and today three others including Darshan have been sent to police custody for two days by the Bengaluru court today on Thursday. The three other accused include Dhanraj, Vinay and Pradosh, who were sent to police custody by the court. At the same time, other accused including Pavitra Gowda have been sent to judicial custody. Earlier last week, Darshan and a dozen of his associates were arrested for allegedly murdering Renukaswamy, 33, a fan of the actor. All the accused - Darshan, Pavitra and other accused - have been in police custody since June 11. The police have already taken Darshan and other accused to Bengaluru, Mysore, Chitradurga and some other places and arrested them. The police have so far seized around 118 items. Statements of several people have also been recorded, but some of them were requested to be given back to police custody as interrogation and investigation are still pending. The police had filed a remand application requesting that Darshan, Vinay, Pradosh, Nagaraj, Laxman and Dhanraj be given back to police custody. The remaining accused - Pavitra Gowda, Pawan, Raghavendra, Nandish, Jagadeesh, Anukumar, Ravishankar, Deepak, Keshavamurthy, Nikhil Naik - have not raised any objection to judicial custody, so they have been ordered to be sent to judicial custody. Darshan's lawyer objects to extension of police remand- However, Darshan's lawyer objected to the remand petition filed to take Darshan back to police custody and he said that the trial was already held for 10 days. He also objected that he did not receive the remand application, but the public prosecutor arguing on behalf of the police said that the accused nine, 10, 14 were not cooperating in the investigation and the investigation was pending on the basis of the FSL report and he was asked to be remanded for the next four days, but the judge sent him to two days of police custody.

'People ask me only two-three questions these days', Farhan complained at the trailer launch of 'Mirzapur 3'

Prime Video's series Mirzapur's season 3 is going to be released next month. Its trailer has been released today. The trailer of the series was launched in a grand event, where all the stars gathered. The producer of this series Farhan Akhtar also came. During this, Farhan credited its writing team for the success of the series. He also said that nowadays people ask him only two-three questions everywhere. When Farhan was asked about the series, he said, 'Nowadays when I go anywhere, people ask me only two-three questions. One is, 'What are you doing

here? Second, 'When will Don 3 come?
When Farhan was asked what worked
releasing season after season? On this
the writing is not amazing then nothing
50 more things on OTT. We are very
our team. Pankaj Tripathi, who plays
the wounded lion has returned? In
saved you. Munna is also not there. So
Pankaj Tripathi said that it will come
emerge. Writers have been paid for
goes to the writers. When he was asked
given written lines. We are puppets. We
he said that God is doing everything'.
you saved Kaleen Bhaiya's life at the
planning some ruckus in this season?
are doing a lot in the third season. This
has not happened in its history till date.
seen yet. Guddu Bhaiya (Ali Fazal) was
will happen in this season, which form
'There are some layers. There are some

And the third, 'When will Mirzapur 3 come?'
the most for the success of 'Mirzapur', which is
Farhan said, 'Maybe it is the magic of writing. If
can happen. If you don't like something, there are
grateful that we have a lot of creative people in
Kaleen Bhaiya in the series, was asked whether
season 2, we saw that you were shot at. Sharad
how will this game of power emerge? On this,
on July 5. If you see it, you will know how it will
that. It is good, it is fun. It is good writing. Credit
about the character, Pankaj Tripathi said, 'I was
do whatever we are asked to do. Then smilingly
Sharad Bhaiya (Anjum Sharma) was asked that
end of season 2, are you and Kaleen Bhaiya
On this the actor said, 'This is the spoiler. Yes, we
time we will do something in Purvanchal which
There is a lot of newness in it, which we have not
asked, 'Violence is the USP of Guddu Bhaiya. What
of you will we get to see?' On this Ali Fazal said,
games. Watch, you will like it.' When actor Vijay,

who is a part of the series, was asked what will be his strategy in season 3, he said, 'Something very bad has happened to the Tyagi family. They had nothing to do with Mirzapur, but now they will have to do something.' When Shweta Tripathi, who played Golu in the series, was asked about her character, she said, 'Golu was a rasgulla in season one, aag babula in season two and a bomb in season 3.' Harshita, who played Dimpy Pandit, told about her character, 'She has not picked up a gun yet. Perhaps season three is a very testing time. One has to cross a river of fire for love.' Rasika Duggal was asked that you have been a game changer in both the seasons. A new king is going to come in the new season. What will happen? The actress said, 'The Tripathi family cannot be removed from Mirzapur'.